हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - CTHIN/25/A0716

मूक पत्रिका

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र आवाज...

वर्ष - 02 अंक - 249 बेमेतरा, सोमवार 04 मई 2026 रायपुर एवं बेमेतरा से प्रकाशित कुल पेज - 08 मूल्य - 5 रूपये डाक पंजीयन- दुर्ग/1743290201/2025-27

संक्षिप्त समाचार

अब बच्चों की के मानसिक स्वास्थ्य और शुगर की भी होगी जांच

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम का दायरा बढ़ाते हुए आरबीएसके 2.0 दिशानिर्देश जारी किए हैं, जिसके तहत अब मधुमेह, उच्च रक्तचाप और मानसिक स्वास्थ्य जैसी गैर-संचारी बीमारियों की भी बच्चों में जांच होगी। इस पहल का उद्देश्य डिजिटल हेल्थ कार्ड और मजबूत निगरानी प्रणाली के माध्यम से 18 वर्ष तक के बच्चों में बीमारियों की शीघ्र पहचान और समय पर हस्तक्षेप सुनिश्चित करना है। केंद्र ने राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरबीएसके) के दायरे को बढ़ाते हुए कार्यक्रम के संशोधित दिशानिर्देशों के तहत मानसिक स्वास्थ्य स्थितियों और मधुमेह और उच्च रक्तचाप जैसी गैर-संचारी बीमारियों (एनसीडी) के जोखिम कारकों की जांच को भी शामिल किया है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने हाल ही में संपन्न सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा वितरण में अच्छी प्रथाओं और नवाचारों पर राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन के दौरान आरबीएसके 2.0 दिशानिर्देश जारी किए, जो प्रमुख बाल स्वास्थ्य जांच कार्यक्रम में एक बड़ा बदलाव है।

ईरान में विदेश मंत्री पद से अब्बास अराघची को हटा सकते हैं राष्ट्रपति

तेहरान। ईरान में राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन और इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर के बीच सत्ता संघर्ष गहरा गया है, जिसके केंद्र में विदेश मंत्री अब्बास अराघची हैं, जिन पर परमाणु वार्ता में सैन्य नेतृत्व के निर्देशों का पालन करने का आरोप है और उन्हें पद से हटाया जा सकता है। ईरान की सत्ता व्यवस्था इन दिनों गंभीर आंतरिक खींचतान से गुजर रही है, जहां राजनीतिक और सैन्य नेतृत्व के बीच मतभेद खुलकर सामने आने लगे हैं। इस पूरे घटनाक्रम के केंद्र में विदेश मंत्री अब्बास अराघची हैं, जिन पर राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन और संसद अध्यक्ष मोहम्मद बाघेर गालिबाफ का भरोसा कमजोर पड़ता दिख रहा है। दोनों शीर्ष नेताओं द्वारा उन्हें पद से हटाने की संभावना जताई जा रही है, जिससे देश के भीतर सत्ता संतुलन को लेकर नई बहस छिड़ गई है।

पश्चिम बंगाल की फालता सीट पर चुनाव रद्द, अब 21 मई को फिर से डाले जाएंगे वोट

कोलकाता। चुनाव आयोग ने चुनावी प्रक्रिया में गंभीर गड़बड़ियों के कारण पश्चिम बंगाल की फालता विधानसभा सीट का मतदान रद्द कर दिया है; अब सभी 285 बूथों पर 21 मई को पुनर्मतदान कराया जाएगा और गिनती 24 मई को होगी। चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल की फालता विधानसभा सीट पर हुई वोटिंग को रद्द कर दिया है। शनिवार को आयोग ने यह बड़ा फैसला लेते हुए एलान किया कि अब इस सीट के सभी 285 बूथों पर फिर से मतदान कराया जाएगा। चुनाव आयोग के नए आदेश के मुताबिक, फालता विधानसभा सीट के सभी 285 केंद्रों पर 21 मई, 2026 को दोबारा वोट डाले जाएंगे। वोटिंग सुबह 7 बजे से शुरू होकर शाम 6 बजे तक चलेगी।

सुशासन तिहार में मुख्यमंत्री पहुंचे चंदागढ़-बरगद की छांव में सजी जनचौपाल

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज वे जनता की समस्याएं सुनने आए हैं

रायपुर/ संवाददाता

सुशासन तिहार में मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने जशपुर जिले के सुदूर वनांचल ग्राम चंदागढ़ में पहुंचकर संवेदनशील और जनकेंद्रित शासन की एक प्रभावशाली झलक प्रस्तुत की। मुख्यमंत्री का हेलीकॉप्टर जैसे ही चंदागढ़ में उतरा, ग्रामीणों ने उत्साह और आत्मीयता के साथ उनका भव्य स्वागत किया। मुख्यमंत्री सीधे पत्थलगांव विकासखंड के ग्राम भैंसामुड़ा पहुंचे, जहां उन्होंने बजरंग बली मंदिर में पूजा-अर्चना कर प्रदेश की सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। इसके बाद गांव के बीचों-बीच बरगद के विशाल पेड़ की शीतल छांव में जनचौपाल सजी। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि सुशासन तिहार 1 मई से 10 जून तक आयोजित किया जा रहा है और इसका उद्देश्य सरकार को जनता के द्वार तक ले जाना है, ताकि समस्याओं का समाधान मौके पर ही किया जा सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज वे जनता की समस्याएं सुनने आए हैं और ग्रामीणों की समस्या का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने ग्रामवासियों से राशन, नमक, शक्कर की उपलब्धता, पेयजल व्यवस्था, बिजली, पटवारी से संबंधित समस्याओं सहित विभिन्न मूलभूत सुविधाओं की जानकारी ली और अधिकारियों को त्वरित समाधान के निर्देश दिए। जनचौपाल के दौरान मुख्यमंत्री श्री साय ने लखपति दीदी श्रीमती सुमिला कोरवा और श्रीमती पुष्पलता चौहान से आत्मीय संवाद किया और उनके कार्यों की सराहना की। उन्होंने जाना कि महिला स्व-सहायता

समूह की महिलाएं ईंट निर्माण, किराना दुकान और बीसी सखी जैसे कार्यों के माध्यम से आत्मनिर्भर बन रही हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश में अब तक 8 लाख लखपति दीदी बन जा चुकी हैं, जबकि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देशभर में यह संख्या 3 करोड़ से अधिक हो चुकी है, जो महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक बड़ा परिवर्तन है। मुख्यमंत्री श्री साय ने ग्राम चंदागढ़ और भैंसामुड़ा के विकास के लिए कई महत्वपूर्ण घोषणाएं करते हुए सामुदायिक भवन निर्माण, मिनी स्टेडियम निर्माण, सीसी रोड निर्माण तथा बच्चों के लिए क्रिकेट किट और यूनिफॉर्म उपलब्ध कराने की घोषणा की। उन्होंने अधिकारियों को सामुदायिक भवन के लिए उपयुक्त स्थल का चयन करने के निर्देश भी दिए। इस दौरान मुख्यमंत्री श्री साय ने विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की जमीनी स्थिति का भी जायजा लिया। कलावती चौहान ने बताया कि गांव में महतारी वंदन योजना और प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ सभी पात्र हितग्राहियों को मिल रहा है, जिस पर मुख्यमंत्री ने संतोष व्यक्त किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने तेंदूपत्ता संग्रहण कार्य की स्थिति की जानकारी ली और चरण पादुका योजना के लाभ के संबंध में भी चर्चा की। उन्होंने बताया कि राज्य में श्री रामलला दर्शन योजना और मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के माध्यम से आमजन को धार्मिक और सामाजिक रूप से जोड़ा जा रहा है।

गोद में उठाया, चश्मा पहनाया, भैंसामुड़ा में दिखा मुख्यमंत्री का आत्मीय रूप

सुशासन तिहार के दौरान जशपुर जिले के ग्राम भैंसामुड़ा में एक ऐसा आत्मीय और भावुक क्षण सामने आया, जिसने वहां मौजूद प्रत्येक व्यक्ति के मन को गहराई से छू लिया और पूरे वातावरण को संवेदनाओं से भर दिया। यह दृश्य उस मानवीय स्पर्श का जीवंत उदाहरण बन गया, जहां शासन और संवेदना एक साथ दिखाई देते हैं। सुशासन तिहार के दौरान जैसे ही मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की नजर 4 वर्षीय नन्हीं बच्ची मानविका चौहान पर पड़ी, वे सहज भाव से उसके पास पहुंच गए। उनके इस स्वाभाविक और अनायास कदम ने पूरे माहौल को एक अलग ही अपनत्व के वातावरण में बदल दिया।मुख्यमंत्री श्री साय ने स्नेहपूर्वक बच्ची को अपनी गोद में उठाया और मुस्कुराते हुए उससे आत्मीय संवाद करने लगे।

नतीजों से पहले अखिलेश ने की भविष्यवाणी

कोलकाता की दीदी थी दीदी हैं और दीदी रहेंगी

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने भाजपा पर हमला बोला है। लखनऊ में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान अखिलेश यादव ने महंगाई के मुद्दे पर सरकार को जमकर घेरा है। उन्होंने भाजपा को झूठा करार देते हुए कहा कि बीजेपी झूठ की सोनपापड़ी बनाती है। उन्होंने कहा कि भाजपा एक झूठ की परत के बाद झूठ की दूसरी परत चढ़ा देती है। बंगाल चुनाव को लेकर अखिलेश यादव ने कहा कि जब स्मार्ट मीटर में चोरी हो सकती है तो फिर ईवीएम में क्यों नहीं। इसके साथ ही सरपी सुप्रीमो ने दावा किया कि बंगाल में ममता बनर्जी की ही सरकार बनने जा रही है। चुनाव आयोग को लेकर अखिलेश यादव ने कहा कि इलेक्शन कमीशन एक कॉन्स्टिट्यूशनल बॉडी है और हम मानते हैं ये निष्पक्ष हो कर काम करेंगे वो किसी के साथ भेदभाव नहीं करेंगे।

जम्मू-कश्मीर के जम्मू ज़िले के बंतलाब इलाके में एक निर्माणाधीन पुल के ढह जाने के बाद, एक जेसीबी मलबे को हटा रही है; इससे यह आशंका बढ़ गई है कि मलबे के नीचे कई मज़दूर फँसे हो सकते हैं।

राज्य में सियासी हलचल तेज

योगी सरकार में होगा कुछ बड़ा बदलाव...!

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश में मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर सियासी गलियारों में हलचल तेज हो गई है। इसी कड़ी में आज राजधानी दिल्ली में भाजपा की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की जा रही है, जिसे आने वाले विधानसभा चुनाव की तैयारियों के लिहाज से बहुत अहम माना जा रहा है। इस बैठक में राज्य के दोनों डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य तथा बृजेश पाठक, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी और संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह शामिल हो रहे हैं। खबरों के मुताबिक, बैठक में मंत्रिमंडल विस्तारके साथ-साथ अगले साल होने वाले चुनाव की रणनीति पर विस्तार से चर्चा होगी। बाजपा इस बार जातीय संतुलन और क्षेत्रीय समीकरणों को साधने के लिए नए चेहरों को मंत्रिमंडल में शामिल करने पर विचार कर सकती है।

संदीप पाठक के घर पहुंची पंजाब पुलिस

पीछे वाले दरवाजे से भागे सांसद संदीप पाठक सामने आया वीडियो

नई दिल्ली/ एजेंसी

24 अप्रैल को आम आदमी पार्टी के सात सांसदों ने भाजपा का दामन थाम लिया था। उन्हीं में से एक सांसद संदीप पाठक के ऊपर दो एफआईआर दर्ज की गई। अब पंजाब पुलिस उनको गिरफ्तार करने दिल्ली वाले आवास आई थी। हाल ही में संदीप पाठक ने आम आदमी पार्टी छोड़ी है। पाठक के साथ 6 और लोगों ने भाजपा जॉइन की। इसके ठीक एक हफ्ते बाद पंजाब पुलिस संदीप पाठक के खिलाफ एक एफआईआर लिखती है और उनको गिरफ्तार करने के लिए उनके दिल्ली वाले आवास पर पहुंच जाती है। दो एफआईआर के बाद आज पंजाब पुलिस संदीप पाठक को गिरफ्तार करने दिल्ली स्थित उनके आवास पर आई थी। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो पाठक के खिलाफ गैर-जमानती धाराओं के तहत दो एफआईआर दर्ज की गई है। हालांकि इनके बारे में अभी कोई और विवरण सामने नहीं आया है। इस बीच संदीप पाठक का एक वीडियो सामने आ रहा है। संदीप पाठक को उनके आवास के पीछे वाले दरवाजे से बाहर निकलते दिख रहे हैं। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है। सांसद संदीप पाठक एफआईआर की खबरों पर सफाई देते हुए कहा कि उन्हें ऐसी कोई जानकारी नहीं है और न ही किसी पुलिस अधिकारी ने इस संबंध में उनसे संपर्क किया है। उन्होंने कहा कि मैंने पूरी जिंदगी ईमानदारी और निष्ठा के साथ देश की सेवा की है। देश किसी भी पार्टी से बड़ा है। मैं कभी इसे धोखा नहीं दूंगा और न किसी को देने दूंगा। अगर मेरे जैसे व्यक्ति के खिलाफ कोई कार्रवाई की गई है।

टंकी पर फंसे बच्चों के लिए देवदूत बनी वायु सेना, हेलीकॉप्टर से बचाया

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के सिद्धार्थनगर में भारतीय वायु सेना ने एक सफल रेस्क्यू ऑपरेशन में पानी की टंकी पर फंसे दो बच्चों को हेलीकॉप्टर से बचाया। सीढ़ी टूटने के कारण रात भर फंसे इन बच्चों को राज्य सरकार के अनुरोध पर एमआई-17 वी5 हेलीकॉप्टर की मदद से सुरक्षित निकाला गया। उत्तर प्रदेश के सिद्धार्थनगर में पानी की टंकी पर फंसे दो बच्चों को भारतीय वायु सेना ने सुरक्षित बचा लिया है। यह रेस्क्यू ऑपरेशन रविवार सुबह किया गया, जिसमें वायु सेना के हेलीकॉप्टर की मदद ली गई। ये दोनों बच्चे रात में ही पानी की टंकी के ऊपर फंस गए थे। दरअसल, टंकी पर चढ़ने और उतरने वाली सीढ़ी टूट गई थी, जिसके कारण वे ऊपर ही फंस गए और नीचे नहीं आ सके।

ममता को सता रहा डर!

काउंटिंग एजेंटों से कहा-किसी भी कीमत पर ना छोड़ें मैदान....

कोलकाता/ एजेंसी

पश्चिम बंगाल में चुनावी नतीजों से पहले सियासी सरगर्मी बढ़ गई है। एग्जिट पोल्स भले ही बंगाल में बीजेपी की जीत का दावा कर रहे हैं, लेकिन मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का जोश कम नहीं हुआ है। मतगणना से पहले ममता बनर्जी ने तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवारों और काउंटिंग एजेंटों के साथ बैठक की, जिसमें उन्होंने साफ तौर पर '200 पार' का दावा कर जीत का शंखनाद कर दिया है। ममता बनर्जी ने कार्यकर्ताओं को बधाई देते हुए साफ कहा कि उनकी मेहनत रंग लाई है और उन्होंने जीत का आंकड़ा और बड़ा होने की बात कही है। ममता बनर्जी ने यह भी कहा क मतगणना सेंटर पर डटें रहें, चाहें रात के 2 ही क्यों न बज जाए। मीटिंग की शुरुआत में ममता बनर्जी ने जीत का दावा किया। उन्होंने कहा, टीएमसी एक बार फिर भारी बहुमत के साथ सरकार बना रही है और पार्टी इस बार भी 200 से अधिक सीटों पर जीत दर्ज करेगी। ममता बनर्जी ने कार्यकर्ताओं को याद दिलाया कि उन्होंने बहुत सारी लड़ाइयां लड़ी हैं और ये लड़ाई भी उनके ही पक्ष में खत्म हो रही है। ममता बनर्जी ने साफकर दिया कि पार्टी का आंतरिक आंकलन एग्जिट पोल के नतीजों से उलट और सकारात्मक है। ममता बनर्जी ने सभी काउंटिंग एजेंटों को कड़े निर्देश देते हुए कहा कि काउंटिंग वाले दिन किसी भी कीमत पर मैदान ना छोड़ें। उन्होंने सबको निर्देश दिया कि कार्यकर्ता तब तक काउंटिंग सेंटर पर डटे रहें, जब तक कि उन्हें खुद मुख्यमंत्री की ओर से आदेश न मिल जाए

दिल्ली के शहादरा में बड़ा हादसा

घर में लगा एसी फटा,9 लोगों की दर्दनाक मौत,कई लोग झुलसे

नई दिल्ली/ एजेंसी

दिल्ली के शहादरा इलाके के एक घर में एसी फट जाने से आग लग गई। इस आग में झुलसकर 9 लोगों की मौत की खबर सामने आ रही है। आग लगने की सूचना फायर ब्रिगेड को करीब 4 बजे मिली। मौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि तब तक आग ने विकराल रूप धारण कर लिया था। दिल्ली के विवेक विहार इलाके में एसी फट जाने से भयावह आग लग गई। चार मंजिला इमारम में आग के तांडव ने लोगों की जिंदगियां खत्म हो गईं। गर्मी में राहत देने वाले एसी ने पूरे इलाके में दहशत मचा दी। आग लगने की सूचना के बाद मौके पर पहुंची फायर टेंडर की टीम ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक देर हो चुकी थी। हादसे में नौ लोगों की जान चली गई। शाहदरा जिले के डीसीपी राजेंद्र प्रसाद मीना ने बताया कि सुबह करीब 4 बजे सूचना मिलते ही दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पा लिया। अन्य पीड़ितों की तलाश के लिए तलाशी अभियान अभी भी जारी है। मीना ने कहा, विवेक विहार स्थित एक चार मंजिला इमारत के एक घर में आग लग गई, जिसमें दूसरी मंजिल पर हताहत हुए। अब तक 3-4 शव बरामद किए जा चुके हैं और बाकी शवों की तलाश जारी है। हम अभी भी खोजबीन कर रहे हैं। तलाशी पूरी होने पर हम आपको सूचित कर देंगे। मीना ने आगे बताया, सुबह तड़के हमें आग लगने की सूचना मिली। दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पा लिया। यहां से 3-4 शव बरामद किए

गए हैं। हम अभी भी खोजबीन कर रहे हैं। हमें सुबह करीब 4 बजे सूचना मिली थी। आपको बता दें कि आग ने पहली मंजिल को छोड़कर बाकी सभी मंजिलों को चपेट में ले लिया था। बताया जा रहा है कि 10 से 15 लोगों को रेस्क्यू किया गया है। उनको भी इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इलाके के नगर पार्षद पंकज लूथरा ने बताया कि सूचना मिलते ही वो मौके पर पहुंचे। ऊपर जाकर देखने पर उन्होंने पाया कि दूसरे फ्लोर पर 6 शव और सबसे ऊपर सीढ़ियों पर तीन शव दिखाई दिए। लूथरा की मानें तो शवों की पहचान करना भी मुश्किल है। उन्होंने कहा कि शव का हाल ऐसा है कि बिना डीएनए किए शवों की शिनाख्त भी नहीं हो पाएगी। बताया जा रहा है कि इस चार मंजिला इमारत में आठ फ्लैट थे। इमारत की दूसरी, तीसरी और चौथी मंजिलें आग की वजह से पूरी तरह से जल गईं। इनमें रहने वाले सभी लोग या तो गंभीर रूप से झुलस गए या फिर उनकी मौत हो गई। हादसे में अब तक 9 लोगों के मरने की खबर सामने आ रही है जबकि एक दर्जन लोग गंभीर रूप से झुलस गए हैं।

कंकाल बने शव पहचान भी मुश्किल

मौके पर मौजूद लोगों की मानें तो इस अग्निकांड में सब कुछ तबाह हो गया। इसकी भयावहता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि जान गंवाने वाले सभी लोग पहचान में भी नहीं आ रहे हैं। उनके शवों में सिर्फ कंकाल ही बचा रह गया है। इलाके के नगर पार्षद पंकज लूथरा ने बताया कि जब ऊपर जाकर देखा गया तो उन्होंने पाया कि दूसरे फ्लोर पर 6 शव और सबसे ऊपर सीढ़ियों पर तीन शव पड़े हैं। लूथरा ने कहा कि शवों की पहचान करना भी मुश्किल है। उन्होंने कहा कि शवों के हाल ऐसे हैं कि बिना डीएनए किए शवों की शिनाख्त भी नहीं हो सकती। जानकारी सामने आ रही है कि सभी 9 लोगों ने खुद को बचाने की भरसक कोशिश की। शव बेड पर ऐसे जला पाया गया, मानो बिस्तर ही चिता बन गया हो। कोई सीढ़ियों से छत पर जाकर जान बचाने की कोशिश करते समय आग की चपेट में आ गया।

प्रगतिशील छत्तीसगढ़ सतनामी समाज की वार्षिक आमसभा संपन्न, 1 करोड़ के अनुमानित बजट को मिली मंजूरी

गिरौदपुरी/मूक पत्रिका

प्रगतिशील छत्तीसगढ़ सतनामी समाज पंजीयन क्रमांक 3933/2012 की वार्षिक आमसभा का आयोजन रविवार को सतनाम धर्मशाला मड़वा में प्रदेश अध्यक्ष एल.एल. कोसले की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। आमसभा में आगामी वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए लगभग 1 करोड़ रुपये के अनुमानित बजट का सर्वसम्मति से अनुमोदन किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत बाबा गुरु घासीदास जी के छायाचित्र पर जोत प्रज्वलित कर आरती-पूजा के साथ हुई। इसके बाद प्रदेश पदाधिकारियों, जिला अध्यक्षों एवं विभिन्न ब्लॉक से पहुंचे पदाधिकारियों का स्वागत किया गया। प्रदेशभर से आए सामाजिक कार्यकर्ताओं, आजीवन सदस्यों, संरक्षक सदस्यों एवं पदाधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति में संस्था के कोषाध्यक्ष श्याम जी टांडे ने लगातार आठवीं बार समाज का बजट प्रस्तुत किया।

उन्होंने वर्ष 2024-25 की ऑडिट रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए वर्ष 2025-26 के आय-व्यय का बिंदुवार विवरण रखा। साथ ही आगामी वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए अनुमानित बजट पेश किया, जिसमें सामाजिक एकीकरण, प्रतिभावान सम्मान समारोह, सतनाम धर्मशाला मड़वा रायपुर के संचालन, प्रदेश कार्यालय व्यय, कर्मचारियों के वेतन, सतनाम संदेश पत्रिका के प्रकाशन एवं विभिन्न सामाजिक गतिविधियों के आयोजन पर खर्च का प्रावधान रखा गया। आमसभा में उपस्थित सभी सदस्यों एवं पदाधिकारियों ने ऑडिट रिपोर्ट एवं प्रस्तावित बजट को सर्वसम्मति से पारित किया।प्रदेश महासचिव मोहन बंजारे ने वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए वर्षभर की गतिविधियों, सदस्यता अभियान, शपथ ग्रहण समारोह, जिला एवं ब्लॉक स्तर पर हुए निर्वाचन तथा प्रदेश स्तरीय बैठकों की विस्तृत जानकारी दी।प्रदेश अध्यक्ष एल.एल. कोसले ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में समाज एकीकरण और सामाजिक सुधार की दिशा में किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने राजधानी रायपुर में आयोजित सामाजिक समन्वय बैठक में पारित 15 बिंदुओं वाले सामाजिक नियमों एवं रीति-रिवाजों में संशोधन संबंधी निर्णयों का उल्लेख करते हुए सभी पदाधिकारियों से इन्हें गांव-गांव तक लागू कराने का आह्वान किया। उपस्थित पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने ताली बजाकर इन निर्णयों का समर्थन किया।

आमसभा में पूर्व सांसद कमला पाटले, प्रदेश उपाध्यक्ष सरजू प्रसाद घृतलहरे, रेशम घृतलहरे, डॉ. दिनेश लाल जांगड़े, श्रीमती सुशीला सोनवानी, महासचिव मोहन बंजारे, सहसचिव दिनेश बंजारे, कोषाध्यक्ष श्याम जी टांडे, प्रवक्ता प्यारे लाल कोसरिया सहित प्रदेश, जिला एवं ब्लॉक स्तर के अनेक पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे।

जिला पंचायत में आवाज़ दबाने का आरोप, महिला सदस्यों का फूटा गुस्सा

बैठक में एजेंडे पर चर्चा को लेकर तीखी बहस, हालात तू-तू मैं-मैं तक पहुंचे

जांजगीर-चांपा।/मूक पत्रिका

जिला पंचायत जांजगीर-चांपा की सामान्य सभा की बैठक इस बार विकास कार्यों से अधिक अंदरूनी टकराव और आरोप-प्रत्यारोप को लेकर सुर्खियों में रही। बैठक के दौरान कई महिला जनप्रतिनिधियों ने अपनी बात रखने से रोके जाने का आरोप लगाते हुए कड़ा विरोध दर्ज कराया, जिससे कुछ समय के लिए बैठक का माहौल पूरी तरह तनावपूर्ण हो गया।सूत्रों के अनुसार, बैठक में जब भारतीय जनता पार्टी समर्थित कुछ महिला सदस्य एजेंडे के बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा करना चाह रही थीं, तभी उन्हें बीच में ही टोक दिया गया। इससे नाराज महिला सदस्यों ने आपत्ति जताते हुए कहा कि स्थायी समितियों की सभापति होने के बावजूद उन्हें न तो पूरा समय दिया जा रहा है और न ही उनके प्रस्तावों को गंभीरता से लिया जा रहा है।प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, बहस धीरे-धीरे इतनी तीखी हो गई कि बैठक में तू-तू मैं-मैं की स्थिति बन गई। कुछ देर के लिए हालात बेकाबू होते नजर आए और हाथापाई की आशंका तक पैदा हो गई, हालांकि अधिकारियों और वरिष्ठ सदस्यों के हस्तक्षेप से स्थिति को संभाल लिया गया। महिला सदस्यों का आरोप है कि पिछले कई महीनों से उन्हें लगातार नजरअंदाज किया जा रहा है। बैठक में उनके सवालों को दबा दिया जाता है और उनके द्वारा उठाए गए जनहित के मुद्दों पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं होती। उनका कहना है कि इस रवैये का सीधा असर उनके क्षेत्रों में विकास कार्यों पर पड़ रहा है और वे जनता के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का सही ढंग से निर्वहन नहीं कर पा रही हैं।बैठक के दौरान एक ओर जहां महिला आरक्षण विधेयक को लेकर विपक्ष पर रोड़ा बनने के आरोप लगाते हुए निंदा प्रस्ताव की बात सामने आई, वहीं दूसरी ओर महिला जनप्रतिनिधियों के साथ हुए व्यवहार को लेकर उठे सवालों ने सत्ताधारी दल के भीतर ही समन्वय और संवाद की कमी को उजागर कर दिया।अंदरखाने यह चर्चा भी है कि बैठक के एकतरफा संचालन और संवादहीनता को लेकर असंतोष लगातार बढ़ रहा है। कई सदस्यों का मानना है कि यदि यही स्थिति बनी रही तो आने वाली बैठकों में विवाद और गहराने की आशंका से इंकार नहीं किया जा सकता। बहरहाल, जिला पंचायत की यह बैठक अब केवल एक प्रशासनिक प्रक्रिया न रहकर लोकतांत्रिक मूल्यों, जनप्रतिनिधियों के अधिकारों और आपसी समन्वय पर उठे गंभीर सवालों के कारण चर्चा का विषय बन गई है। खासकर महिला सदस्यों द्वारा लगाए गए आरोप यह संकेत दे रहे हैं कि स्थानीय राजनीति में भीतर ही भीतर असंतोष पनप रहा है, जो आने वाले समय में और बड़ा रूप ले सकता है।

तेंदूपत्ता संग्राहकों में दिखा उत्साह, खरीदी का हुआ शुभारंभ, भैरमगढ़ से शुरुआत, तिलक लगाकर संग्राहकों का स्वागत

बीजापुर/मूक पत्रिका

जिले में तेंदूपत्ता संग्रहण सीजन की शुरुआत के साथ ही ग्रामीण अंचलों में उत्साह का माहौल नजर आ रहा है। जिला वनोपज सहकारी यूनियन मर्यादित बीजापुर के अंतर्गत संचालित प्राथमिक वनोपज सहकारी समितियों में 1 मई से संग्रहण कार्य प्रारंभ हो चुका है।

सबसे पहले भैरमगढ़ समिति के फड़ों में खरीदी कार्य शुरू किया गया, जहां पहुंचे संग्राहकों का तिलक लगाकर स्वागत किया गया। इस पहल से संग्राहकों में खासा उत्साह देखा गया। अन्य फड़ों में भी अगले एक-दो दिनों में खरीदी शुरू होने की तैयारी पूरी कर ली गई है।तेंदूपत्ता तोड़ाई को लेकर संग्राहक पूरे जोश के साथ जुटे हुए हैं। अधिक संग्रहण के लक्ष्य के साथ ग्रामीणों की सक्रिय भागीदारी दिखाई दे रही है। फील्ड में अच्छी गुणवत्ता के पत्तों की उपलब्धता भी सामने आ रही है, जिससे इस वर्ष बेहतर उत्पादन की उम्मीद जताई जा रही है।

नई तेंदूपत्ता नीति के तहत संग्राहकों को पारिश्रमिक राशि सीधे उनके बैंक खातों में दी जा रही है। इससे पारदर्शिता बढ़ी है और भुगतान प्रक्रिया सरल हुई है। विभागीय जानकारी के अनुसार वर्ष 2024 में 27,448 संग्रहक परिवारों को 26.75 करोड़ रुपये तथा वर्ष 2025 में 10,925 संग्रहकों को 6.70 करोड़ रुपये की राशि सीधे उनके खातों में हस्तांतरित की गई थी। वर्तमान में भुगतान को लेकर किसी भी संग्राहक की शिकायत प्राप्त नहीं हुई है।वर्ष 2026 की स्थिति में 12 अप्रैल तक 53,608 संग्राहक परिवारों में से 51,818 परिवारों के बैंक खाते खुलवाए जा चुके हैं, जबकि शेष संग्राहकों के खाते खोलने की प्रक्रिया तेजी से जारी है।

जिला यूनियन के अंतर्गत 28 समितियों के 45 लॉटों में कुल 582 फड़ों के माध्यम से संग्रहण किया जाएगा। अधिकारियों का मानना है कि बेहतर गुणवत्ता के तेंदूपत्ता संग्रहण से ग्रामीणों की आय में वृद्धि होगी और उन्हें अधिक लाभ मिलेगा।

मजदूर दिवस पर श्रमिक उतरे सड़क पर दैवेभो कर्मचारियों ने नियमितीकरण की मांग को ले कर किया प्रदर्शन

रायगढ़/मूक पत्रिका

नियमितीकरण व स्थाईकरण सहित 10 सूत्रीय मांग को लेकर प्रदेश भर के दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों ने रायगढ़ जिला मुख्यालय पंहुच कर धरना प्रदर्शन करते हुए रैली निकाल कर वित्त मंत्री के नाम एसडीएम को ज्ञापन सौंपा द्य दरअसल छत्तीसगढ़ दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी फेडरेशन के बैनर तले प्रदेश भर से जुटे कर्मचारी वित्त मंत्री ओ पी चौधरी के रायगढ़ स्थित कार्यालय का घेराव करने पंहुचे थे परन्तु जिला प्रशासन से अनुमति नहीं मिलने पर शहर में रैली निकाल कर ज्ञापन सौपे द्य कर्मचारी संघ का कहना था कि विधान सभा चुनाव के पूर्व उप मुख्यमंत्री अरुण साव, विजय शर्मा, वित्त मंत्री ओ पी चौधरी ने फेडरेशन के मंच में आ कर घोषणा की थी कि यदि भाजपा की सरकार बनती है तो दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों का नियमितीकरण व स्थाईकरण किया जायेगा द्य जन घोषणा पत्र मोदी की गारंटी में 100 दिनों के भीतर इस कार्य को करने का वादा किया गया था लेकिन 800 दिन बीत गये अब तक कुछ नहीं हो पाया है द्य सरकार की कार्यशैली से नाराज मजदूर आज एक मई मजदूर दिवस पर आंदोलन करने के लिए मजबूर हुए हैं द्य श्रमिकों का कहना है कि वित्त मंत्री ओ पी चौधरी है जिन्हे बजट में नियमितीकरण का प्रस्ताव रखना है लेकिन वे मजदूरों की मांग को दरकिनार कर दिये हैं यही वजह है कि वित्त मंत्री के विधान सभा स्थित कार्यालय का घेराव करने सभी श्रमिक रायगढ़ पंहुचे हैं द्य

अडानी की ट्रेलर ने निर्दोष साईकिल सवार को कुचला .. मौके पर मौत

घरघोड़ा/मूक पत्रिका

कोयले से भरी ट्रेलर ने निर्दोष साईकिल सवार ग्रामीण की जान ले ली। ग्रामीणों के बताये अनुसार घरघोड़ा थाना क्षेत्र के बाईपास में घरघोड़ा रेलवे रेल्वे स्टेशन (कोल साइडिंग) के पास मुख्य मार्ग में कपटडेरा के युवक को अडानी कंपनी के अंदर चलने वाली ट्रेलर छ्ग 13़क्र 6804 जो छ्गस्क्ष्रु का कोयला लोड लेकर साइडिंग की तरफ जा रही थी थी ने सायकल सवार को कुचल दिया। जिससे सायकल सवार की सर के चीथड़े उड़ गए। घटना की सूचना मिलते ही ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। घटना रात लगभग 9:45 के आसपास की बताई जा रही है। वहीं घरघोड़ा पुलिस ने आनन फानन में मृतक के शव अस्पताल पहुंचा दिया है। घटना को लेकर ग्रामीणों में भारी आक्रोश है। मृतक की पहचान दिल कुमार पिता बाल कुमार उम्र 32 कपाटडेरा भेंड्रा थाना घरघोड़ा के रूप में की गई है। मृतक के परिवार में अकेला कमाने वाला था जिसके तीन छोटे बच्चे होना बताया जा रहा है। मौके पर परिजनों के साथ ग्राम पंचायत भेंड्रा के सरपंच जिला युवा कांग्रेस अध्यक्ष उस्मान बेग सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर मौजूद है। प्रत्यक्षदर्शियों के बताएं अनुसार साईकिल सवार सड़क के किनारे से से अपने घर की तरफ जा रहा था उसी समय ट्रेलर ने सवार होकर रगड़ दिया जिससे सायकल सवार की मौके पर मौत हो गई। बता दें की पूर्व में भी घरघोड़ा बायपास स्तिथ कोल साइडिंग में चलने वाली गाड़ियों की वजह से एक महिला की दर्दनाक मौत हो चुकी है आये दिन गाड़ियों की वजह से जाम की स्थिति बनी रहती है पैदल राहगीरों , सायकल और बाईक सवार चालकों को भारी कठनाईयो का सामना करना पड़ता है। घरघोड़ा पुलिस ने घटना करीत ट्रेलर को जब्त कर लिया है वही ड्राइवर मौके से फरार बताया जा रहा है। आगे की कानूनी कार्यवाई में जुट गई है

जिम्मेदार अधिकारीयों की लापरवाही का भुगतान भोग रहे है नवागढ़ के ग्रामीण

टंकी सूखी, नल भी सूखे नवागढ़ में 'जल जीवन मिशन' कागजों में ही लबालब!

घरघोड़ा (नवागढ़)/मूक पत्रिका

ग्राम पंचायत नवागढ़ में जल जीवन मिशन और प्रधानमंत्री नल-जल योजना का हाल ऐसा है कि टंकी भी सूखी पड़ी है और नलों में भी एक बूंद पानी नहीं। ऊपर बनी विशाल टंकी अब सिर्फ दिखावे की इमारत बनकर रह गई है, जबकि नीचे ग्रामीण पानी के लिए दर-दर भटकने को मजबूर हैं।फोटो में साफ नजर आता है कि गांव में नल लगाए गए हैं, प्लेटफॉर्म भी बने हैं, लेकिन उनमें पानी का कोई अता-पता नहीं। टंकी खाली खड़ी है और नल सूखे—यानी पूरी व्यवस्था ही ÷नाम के लिए÷ चल रही है।ग्रामीणों का कहना है कि योजना का लाभ उन्हें आज तक नहीं मिला।एक ग्रामीण ने व्यंग्य करते हुए कहा—÷टंकी देखकर लगता है पानी मिलेगा, लेकिन नल खोलो तो सिर्फ हवा ही मिलती हैमहिलाओं की परेशानी सबसे ज्यादा बढ़ गई है। उन्हें आज भी दूर-दूर से पानी लाना पड़ रहा है, जबकि कागजों में हर घर जल पहुंचाने का दावा किया जा रहा है।हैंडपंपों की हालत भी कुछ खास नहीं—कहीं गंदगी, तो कहीं उपेक्षा। इससे साफ है कि व्यवस्था जमीन पर पूरी तरह लचर है।अब सवाल यह है—क्या योजना सिर्फ फोटो और रिपोर्ट तक ही सीमित है?क्या जिम्मेदार अधिकारी कभी इन सूखी टंकियों और नलों को देखेंगे?फिलहाल नवागढ़ में ÷जल जीवन मिशन÷ नहीं, बल्कि ÷जल के बिना जीवन÷ की स्थिति बनी हुई है

कचहरी चौक में कांग्रेस का प्रदर्शन, महंगाई को बताया जनता पर हमला

गैस सिलेंडर की बढ़ती कीमतों और महंगाई के खिलाफकांग्रेस का जोरदार प्रदर्शन

जांजगीर-चांपा/मूक पत्रिका

केंद्र की मोदी सरकार और प्रदेश की साय सरकार की नीतियों के विरोध में शनिवार को जिला कांग्रेस कमेटी जांजगीर-चांपा के नेतृत्व में कचहरी चौक, जांजगीर-चांपा में विशाल विरोध प्रदर्शन आयोजित किया गया। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर हुए इस प्रदर्शन में गैस सिलेंडर के दामों में हुई भारी वृद्धि और लगातार बढ़ती महंगाई को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सरकार पर तीखा हमला बोला। प्रदर्शन को संबोधित करते हुए जिला कांग्रेस अध्यक्ष राजेश अग्रवाल ने कहा कि गैस सिलेंडर की कीमतों में बेतहाशा बढ़ोतरी कर सरकार ने गरीब और मध्यम वर्ग की कमर तोड़ दी है। उज्ज्वला योजना का हवाला देने वाली सरकार आज आम आदमी को रसोई चलाने के लिए संघर्ष करने पर मजबूर कर रही है। उन्होंने इसे ÷जनता की जेब पर सीधा हमला÷ बताया।जांजगीर-चांपा विधायक व्यास कश्यप ने आरोप लगाया कि केंद्र और राज्य सरकार महंगाई पर नियंत्रण करने में पूरी तरह विफल रही हैं। गलत नीतियों के कारण आम जनता पर आर्थिक बोझ लगातार बढ़ रहा है, जिसे कांग्रेस अब बर्दाश्त नहीं करेगी।

जिला उपाध्यक्ष रफीक सिद्दीकी ने कहा कि केवल गैस ही नहीं, बल्कि तेल, दाल और अन्य रोजमर्रा की आवश्यक वस्तुओं की कीमतें भी आसमान छू रही हैं। इसका सबसे अधिक असर रेहड़ी-पटरी लगाने वाले छोटे दुकानदारों, मजदूरों और निम्न आय वर्ग पर पड़ रहा है।कांग्रेस उपाध्यक्ष रमेश पैगवार ने राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि साय सरकार महंगाई रोकने के बजाय केंद्र सरकार की विफल नीतियों का मौन समर्थन कर रही है।

वहीं जिला महामंत्री विवेक सिसोदिया ने चेतावनी दी कि यदि बढ़ी हुई कीमतें जल्द वापस नहीं ली गई, तो कांग्रेस सड़क से लेकर सदन तक आंदोलन तेज करेगी। प्रदर्शनकारियों ने सरकार से महंगाई पर तत्काल नियंत्रण लगाने और आम जनता को राहत देने की मांग की। विरोध प्रदर्शन में सेवादल जिलाध्यक्ष देव कुमार पाण्डेय, युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष पंकज शुक्ला, पिछड़ा वर्ग विभाग के कार्यकारी प्रदेशाध्यक्ष संदीप यादव, पिछड़ा वर्ग विभाग जिलाध्यक्ष लोकेश राठौर, उपाध्यक्ष भगवान दास गढ़ेवाल, महामंत्री विवेक सिंह सिसोदिया, शिशिर द्विवेदी, प्रिंस शर्मा, राइस किंग खूंटे, चंद्रकुमार ओग्रे, ब्लॉक अध्यक्ष गण रामविलास राठौर, विजय प्रकाश तिवारी, सुनील साधवानी, योगेन्द्र प्रताप सिंह गौरव, हृशिकेश उपाध्याय, अमन अग्रवाल, प्रीतम कश्यप, मनोरमा पाटेकर, वर्षा सिंह, रेखा सोनवान, चंपा प्रधान, गीता केशव सोनी, सुखराम गढ़वाल, किशन आदित्य, पवन कश्यप, जमुना राठौर, राजा सिद्दीकी, विष्णु यादव, देवराज सिंह चंदेल, आकाश तिवारी, अमन तिवारी, अक्षय टेकाम, अनिल चौरसिया, अतीक कुरैशी सहित कांग्रेसजन बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

4 मई को धोबनी में होगा सुशासन तिहार शिविर

सारंगढ़ बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

सुशासन तिहार के क्लस्टर शिविर का आयोजन बिलाईगढ़ ब्लॉक के ग्राम धोबनी के स्कूल परिसर में 4 मई को अपरान्ह 3 से शाम 6 बजे तक किया जाएगा। इस कलस्टर में सम्मिलित ग्राम पंचायत बेंगपाली, भिनोदा, देवसागर, दुरूग, गगोरी, मुच्छमल्दा, पिपरभावना ग, पिपरडुला, तेन्दूदरहा, ढनढनी, धौराभांठा, धोबनी, गोपालपुर, किसड़ा, खम्हरिया, मोहतरा न, रायकोना, सिहारजोर-घरजरा, सोहागपुर, बिलासपुर, गाताडीह, हरदी, टाटा शामिल हैं। इसमें जिले के नागरिक अपनी मांग, सुझाव और शिकायत प्रशासन को दे सकते हैं। सुशासन तिहार 10 जून 2026 के मध्य जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया जायेगा। ग्रामीण क्षेत्र में यह शिविर सारंगढ़ ब्लॉक में 5 मई को ग्राम उलखर, 13 मई को फर्सवानी, 18 मई को हरदी, 21 मई को उच्चभीठी, 28 मई को केडार, 4 जून को कपरतुंगा और 10 जून को गोडम में आयोजित किया जाएगा। बिलाईगढ़ ब्लॉक में सुशासन तिहार शिविर 8 मई को बलौदी, 15 मई को गदहाभाटा, 22 मई को धाराशिव, 29 मई को खुरदरहा, 5 जून को मडकड़ी में आयोजित किया जाएगा। बरमकेला ब्लाक के ग्राम बड़े नवापारा में 6 मई को, हिर्री में 14 मई, कांदुर पाली में 20 मई को, भीखमपुरा में 27 मई को, झाल में 3 जून को शिविर का आयोजन किया जाएगा। नगरीय निकायों में सुशासन तिहार शिविर नगर पालिका परिषद सारंगढ़ में 13, 19 और 22 मई, नगर पंचायत बिलाईगढ़ में 6,7,8 मई, सरसीवा में 7 मई, पवनी में 7 और 14 मई, सरिया में 14 और 20 मई, नगर पंचायत भटगांव में 5 मई, बरमकेला में 6, 7 और 8 मई को आयोजित किया जाएगा।

सारंगढ़ और बिलाईगढ़ क्षेत्र में हुई खाद्य पदार्थो की जांच

बेमेतरा/मूक पत्रिका

सारंगढ़ बिलाईगढ़ 3 मई 2026/कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे के निर्देश पर जन स्वास्थ्य की सुरक्षा को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से 'सही दवा शुद्ध आहार', ÷यही है छत्तीसगढ का आधार÷ की थीम पर खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग की टीम द्वारा शुक्रवार और शनिवार को सारंगढ़ और बिलाईगढ़ क्षेत्र में सघन जांच अभियान चलाया गया। पुलिस और राजस्व विभाग के दल के साथ अभिहित अधिकारी भारत भूषण पटेल, खाद्य सुरक्षा अधिकारी वरुण पटेल शामिल थे।

जांच दल द्वारा लगभग 50 से अधिक छोटे- बड़े ठेले, गुमटी, होटल, गन्ना जूस सेंटर, किराना दुकानो तथा विशेषकर साप्ताहिक बाजार में जाकर निरीक्षण किया गया एवं उनको खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के अंतर्गत आवश्यक दिशा निर्देश दिए ग

अखबारी कागज और अखाद्य रंग उपयोग नहीं करने तथा खाद्य रंग का उचित मात्रा में उपयोग करने, अखबारी कागज का उपयोग नहीं करने का निर्देश दिया गया। जगह जगह उपस्थित लोगों को खाद्य सुरक्षा के प्रति जागरुक किया गया तथा जिन दुकानदारों के पास आवश्यक खाद्य पंजीयन नहीं पाया गया उनको पंजीयन हेतु निर्देशित किया गया। अधिकांश जगह देखने को मिला कि खाद्य लाइसेंस परिसर में डिस्प्ले नहीं था तथा सभी खाद्य कारोबार कर्ता से अपील की गयी की सभी अपना खाद्य लाइसेंस अपने परिसर में डिस्प्ले कर के रखे आम जनता से भी अपील किया गया कि खाद्य पदार्थों का उपभोग जांच परख कर ही किया जाए। किसी भी प्रकार का अगर कोई शिकायत हो तो विभाग को सूचित करने कहा गया। इस कार्यवाही में खाद्य सुरक्षा विभाग से अभिहित अधिकारी भारत भूषण पटेल, खाद्य सुरक्षा अधिकारी वरुण पटेल शामिल थे।

तमनार भाजयुमो में नई ऊर्जा का संचार: नरेश राठिया और लेखराज साहू बने महामंत्री

तमनार/मूक पत्रिका

भारतीय जनता युवा मोर्चा तमनार मंडल द्वारा नई कार्यकारिणी की घोषणा के साथ ही संगठन में एक नई ऊर्जा और उत्साह का संचार हुआ है। इस कार्यकारिणी में युवाओं के चहेते, सजे-संवरे व्यक्तित्व के धनी एवं सक्रिय कार्यकर्ता नरेश राठिया को महामंत्री का महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा गया है।नरेश राठिया की बात करें तो वे लंबे समय से भारतीय जनता पार्टी के सक्रिय और समर्पित कार्यकर्ता रहे हैं। युवा मोर्चा में मीडिया प्रभारी के रूप में उन्होंने अपने दायित्व का कुशलतापूर्वक निर्वहन किया है। उनकी राजनीतिक पृष्ठभूमि मजबूत रही है और वे राजनीति की गहराई को समझने वाले युवा नेता के रूप में जाने जाते हैं। युवाओं के बीच उनकी विशेष पकड़ है, वहीं चुनावी समय में वे बुजुर्गों के भी चहेते बन जाते हैं। उनके अनुभव और कार्यशैली को देखते हुए यह स्पष्ट है कि वे संगठन को नई दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।वहीं, दूसरी ओर लेखराज साहू को भी महामंत्री पद की बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई है। लेखराज साहू लंबे समय से राजनीति में सक्रिय हैं और वे भाजपा के वरिष्ठ नेता स्वर्गीय मंगल राम साहू के पुत्र हैं। छात्र जीवन से ही उन्होंने राजनीति में अपनी सक्रियता दिखाई है। वे अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (क्क्क) में तमनार नगर अध्यक्ष रह चुके हैं तथा साहू समाज तमनार में उप कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी भी संभाल रहे हैं। हाल ही में हुए पंचायत चुनाव में जनकपुर वार्ड से पंच निर्वाचित होकर उन्होंने अपनी जनसेवा की प्रतिबद्धता को साबित किया है। दोनों ही महामंत्री युवा नेतृत्व के सशक्त उदाहरण हैं। नरेश राठिया का अनुभव और जनसंपर्क तथा लेखराज साहू की सक्रियता और संगठनात्मक क्षमता मिलकर युवा मोर्चा को नई ऊंचाइयों तक ले जाने की क्षमता रखते हैं। संगठन और कार्यकर्ताओं को उनसे काफी उम्मीदें हैं कि वे युवाओं को जोड़ते हुए भाजपा की विचारधारा को और मजबूत करेंगे।घोषणा के पश्चात दोनों महामंत्रियों ने भाजपा एवं भाजयुमो के शीर्ष नेतृत्व और सभी पदाधिकारियों का आभार व्यक्त करते हुए संगठन के प्रति पूर्ण निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करने का संकल्प लिया है।तमनार में अब भाजयुमो की यह नई टीम युवाओं के बीच जोश, उत्साह और बदलाव की नई कहानी लिखने को तैयार नजर आ रही है।

'मातृभूमि पर न्योछावर वीर सपूत: परमानंद कोर्राम को नम आँखों से अंतिम सलाम, कांकेर से नरहरपुर तक उमड़ा जनसैलाब'

श्रद्धांजलि सभाओं और बाइक रैली में गूंजे देशभक्ति के स्वर

कांकेर/मूक पत्रिका

विक्रम ठाकुर /:-कांकेर नरहरपुर 03 मई 2026 कांकेर-नारायणपुर सीमा क्षेत्र में नक्सल विरोधी सर्च अभियान और डी-माइनिंग ऑपरेशन के दौरान हुए आईईडी विस्फोट में शहीद हुए जवानों को पूरे जिले में भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। इस दुखद घटना में इंस्पेक्टर सुखराम वट्टी, आरक्षक कृष्णा कुमार कोमरा, आरक्षक संजय गढ़पाले और आरक्षक परमानंद कोर्राम ने देश की रक्षा करते हुए सर्वोच्च बलिदान दिया। आज कांकेर स्थित एसपी कार्यालय में शहीदों को अश्रुपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस दौरान कांकेर विधायक आशाराम नेताम, बस्तर रेंज के आईजी सुंदरराज पी., एसपी निखिल राखेचा, नगर पालिका अध्यक्ष अरुण कौशिक, जिला पंचायत सीईओ हरेश मंडावी सहित पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी, जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे। सभी ने श्रद्धासुमन अर्पित कर वीर जवानों को अंतिम सलाम दिया तथा शोकाकुल परिजनों को हिम्मत दी, इस भावुक क्षण में शहीद परमानंद कोर्राम के परिजन भी उपस्थित रहे, जिन्होंने नम आंखों से अपने प्रियजन को अंतिम विदाई दी। उपस्थित जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने परिजनों से मुलाकात कर उन्हें संबल दिया और इस दुख की घड़ी में साथ खड़े रहने का भरोसा जताया। श्रद्धांजलि उपरांत शहीदों के पार्थिव शरीर को पूरे सम्मान के साथ अंतिम यात्रा के लिए रवाना किया गया। शहीद आरक्षक परमानंद कोर्राम, निवासी ग्राम बरेठीनबाहरा (नरहरपुर), का पार्थिव शरीर सुबह कांकेर से उनके गृहग्राम के लिए भेजा गया। नरहरपुर पहुंचते ही अपने लाल की एक झलक पाने उमड़ी भीड़ ने नम आँखों से पुष्प अर्पित कर भावभीनी विदाई दी। अमोड़ा चौक पर आयोजित विशेष श्रद्धांजलि सभा में जनप्रतिनिधियों व ग्रामीणों के साथ-साथ परिजन भी बड़ी संख्या में शामिल हुए और ससम्मान श्रद्धांजलि दी। इसके बाद एक विशाल बाइक रैली के माध्यम से पार्थिव शरीर को उनके पैतृक गांव बरेठीनबाहरा ले जाया गया।नरहरपुर से बरेठीनबाहरा तक निकली रैली देशभक्ति के नारों से गूंजती रही। रास्ते भर ग्रामीणों ने फूल बरसाकर अपने वीर सपूत को अंतिम सलाम किया और उनके अदम्य साहस को नमन किया। इसी क्रम में अन्य शहीद जवानों-आरक्षक संजय गढ़पाले और आरक्षक कृष्णा कुमार कोमरा-का भी उनके गृहग्रामों में पूरे सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। यह घटना पूरे क्षेत्र को शोकाकुल कर गई है। शहीदों का यह बलिदान राष्ट्र के प्रति उनकी अटूट निष्ठा, वीरता और कर्तव्यपरायणता का अमिट प्रतीक है, जिसे सदैव स्मरण किया जाएगा।

शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुई राष्ट्रीय साधन सह प्रावीण्य छात्रवृत्ति परीक्षा

कांकेर जिले के 7 विकासखंडों में सफलतापूर्वक आयोजित हुई एन एम एम एस ई परीक्षा

कांकेर/मूक पत्रिका

विक्रम ठाकुर/ कांकेरः-उत्तर बस्तर कांकेर 3 मई 2026 राष्ट्रीय साधन सह प्रावीण्य छात्रवृत्ति परीक्षा (ह्रस्र्स्स्ब्) शनिवार को कांकेर जिले के सभी सात विकासखंडों में शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित वातावरण में संपन्न हुई। परीक्षा का आयोजन कलेक्टर नीलेश कुमार महादेव क्षीरसागर के निर्देशन में किया गया। वहीं जिला पंचायत सीईओ हरेश मंडावी के मार्गदर्शन तथा जिला शिक्षा अधिकारी रमेश कुमार निषाद एवं डीएमसी पटेल के दिशा-निर्देशन में संपूर्ण व्यवस्था सुनिश्चित की गई। जिले के सभी परीक्षा केंद्रों में विद्यार्थियों के लिए आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई गई। परीक्षा केंद्रों में सुरक्षा, अनुशासन तथा पारदर्शिता का विशेष ध्यान रखा गया। अधिकारियों द्वारा विभिन्न केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। परीक्षा के दौरान किसी भी प्रकार की अव्यवस्था या शिकायत सामने नहीं आई, जिससे परीक्षा सफलतापूर्वक संपन्न हुई। जिला स्तर पर कुल 3886 विद्यार्थियों ने परीक्षा में शामिल होने के लिए अपना पंजीयन कराया था, जिनमें से 3600 छात्र-छात्राएं परीक्षा में सम्मिलित हुए, जबकि 286 विद्यार्थी अनुपस्थित रहे। अंतागढ़ विकासखण्ड में पंजीकृत 408 विद्यार्थी यह में से 381 विद्यार्थी उपस्थित एवं 27 अनुपस्थित, भानुप्रतापपुर : विकासखण्ड में दर्ज 631 विद्यार्थी में से उपस्थित 583, उपस्थिति एवं 48 अनुपस्थित, चारामा विकासखण्ड में पंजीकृत 705 विद्यार्थी में से 665 उपस्थित एवं 40 अनुपस्थित, दुर्गुकोंदल विकासखण्ड में दर्ज 516 विद्यार्थी में से 501 उपस्थित एवं 15 अनुपस्थित, कांकेर विकासखण्ड में 484 विद्यार्थी में से 461 उपस्थित एवं 53 अनुपस्थित, कोयलीबेड़ा : विकास खण्ड में दर्ज 428 विद्यार्थी में से 401 उपस्थित तथा 27 अनुपस्थित, नरहरपुर विकासखण्ड में पंजीकृत 714 विद्यार्थी में से 668 उपस्थित एवं 46 विद्यार्थी अनुपस्थित रहे।

बेमेतरा में नील-हरित शैवाल उत्पादन को बढ़ावा, टिकाऊ कृषि की दिशा में बड़ा कदम

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जिले में कृषि क्षेत्र को अधिक उन्नत, किफायती और पर्यावरण अनुकूल बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में नील-हरित शैवाल (ब्लू ग्रीन द्यद्दड्डद्ग) का उत्पादन प्रारंभ किया गया है। जिला प्रशासन एवं कृषि विभाग के संयुक्त प्रयासों से शासकीय प्रक्षेत्र मोहगांव में इस जैविक तकनीक को सफलतापूर्वक विकसित किया गया है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य किसानों को कम लागत में अधिक उत्पादन उपलब्ध कराना तथा रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता को कम करना है। नील-हरित शैवाल, जिसे जैव उर्वरक (क्ष्द्बश्द्धद्दह्लद्बद्यद्ब5द्गह्) के रूप में जाना जाता है, धान सहित विभिन्न फसलों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध हो रहा है।

मदर कल्चर के माध्यम से जिलेभर में विस्तार की योजना

कृषि विभाग द्वारा मोहगांव प्रक्षेत्र में तैयार किए गए नील-हरित शैवाल के मदर कल्चर का उपयोग करते हुए इसे जिले के अन्य गांवों एवं कृषकों के खेतों तक विस्तार देने की कार्ययोजना तैयार की गई है। इसी क्रम में ग्राम मौहाभाठा के प्रगतिशील कृषक श्री टोकेश्वर साहू के खेत में भी नील-हरित शैवाल का उत्पादन सफलतापूर्वक प्रारंभ किया गया है। विभाग का लक्ष्य है कि इस नवाचार को जिले के अधिक से अधिक किसानों तक पहुंचाया जाए, जिससे वे अपने खेतों में इसका उपयोग कर सकें और उत्पादन में वृद्धि के साथ-साथ लागत में कमी ला सकें।

मृदा स्वास्थ्य सुधार एवं लागत में कमी का प्रभावी माध्यम

नील-हरित शैवाल का उपयोग मृदा की उर्वरता बढ़ाने में अत्यंत सहायक होता है। यह वायुमंडलीय नाइट्रोजन को स्थिर कर मिट्टी में उपलब्ध कराता है, जिससे फसलों को प्राकृतिक रूप से पोषण मिलता है। इसके उपयोग से रासायनिक उर्वरकों की आवश्यकता कम हो जाती है, जिससे किसानों की लागत घटती है और पर्यावरण पर पड़ने वाला दुष्प्रभाव भी कम होता है। साथ ही यह मृदा की संरचना एवं जैविक गतिविधियों को सुधारने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जिससे दीर्घकालीन कृषि उत्पादकता में वृद्धि होती है।

कृषि विभाग द्वारा प्रशिक्षण एवं तकनीकी मार्गदर्शन

कृषि विभाग द्वारा किसानों को नील-हरित शैवाल उत्पादन एवं उसके प्रभावी उपयोग के संबंध में निरंतर प्रशिक्षण एवं तकनीकी मार्गदर्शन प्रदान किया जा रहा है। विशेषज्ञों द्वारा खेत स्तर पर प्रदर्शन (स्नद्बद्दद्यस्र ष्द्दद्वश्ठ्ठह्यह्लह्म्ड्डह्लद्बश्ठ), कार्यशालाएं एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, ताकि किसान इस तकनीक को आसानी से समझकर अपनाएं। इसके साथ ही किसानों को आवश्यक संसाधन एवं सहायता भी उपलब्ध कराई जा रही है।

टिकाऊ कृषि और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल

यह पहल न केवल किसानों की आय में वृद्धि करने में सहायक होगी, बल्कि टिकाऊ कृषि (स्ह्वह्यह्लड्डद्बठ्ठड्डड्ढद्यद्ग ्रद्दह्मद्बष्ह्वद्यह्लह्वह्मद्ग) को भी बढ़ावा देगी। रासायनिक उर्वरकों के कम उपयोग से मिट्टी, जल एवं पर्यावरण का संरक्षण संभव होगा, जिससे आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वस्थ कृषि प्रणाली सुनिश्चित की जा सकेगी। यह प्रयास राज्य एवं केंद्र सरकार की जैविक एवं प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने की नीति के अनुरूप भी है।

किसानों से अपील: नवाचार अपनाकर बढ़ाएं उत्पादन

उप संचालक कृषि श्री मोरध्वज डडसेना ने जिले के समस्त कृषकों से अपील की है कि वे नील-हरित शैवाल जैसी उन्नत एवं लाभकारी तकनीक को अपनाएं। उन्होंने कहा कि यह तकनीक न केवल उत्पादन क्षमता को बढ़ाने में सहायक है, बल्कि खेती को अधिक लाभकारी एवं पर्यावरण के अनुकूल बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। किसानों को चाहिए कि वे इस नवाचार का अधिक से अधिक लाभ उठाएं और आधुनिक, टिकाऊ कृषि की दिशा में आगे बढ़ें। बेमेतरा जिले में नील-हरित शैवाल उत्पादन की यह पहल आने वाले समय में कृषि क्षेत्र में एक मॉडल के रूप में स्थापित हो सकती है, जिससे अन्य जिलों के किसान भी प्रेरणा लेकर इसे अपनाएंगे।

मजदूर अपने अधिकारों से वंचित श्रमविभाग कुम्भकरणी नींद में -श्रम विभाग की अनदेखी पर घिरा प्रशासन'

कांकेर/मूक पत्रिका

विक्रम ठाकुर /कांकेरः-कांकेर शहर के मध्य दूधनदी के किनारे निर्माणाधीन रिटर्निंग वाल व सिवरेज कैनल (नाला) में कार्यरत मजदूर अपने अधिकारो से वंचित हैं। वही मजदूरों की रक्षा करने वाली श्रम विभाग कुम्भकरणी नींद में सोया हुआ हैं। उक्त आरोप जिला कांग्रेस कमेटी के महामंत्री अजय भासवानी ने आज एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर लगाया। भासवानी ने कहा की नदी तट पर कार्य करने वाले श्रमिकों को श्रम कानून के नियमो के मुताबिक कोई भी सुविधा, हासिल नहीं हैं। उन्हों ने ठेकेदार पर मजदूरों का शोषण करने का आरोप लगाते हुये कहा की मजदूरों को भविष्यनिधि एवं ई स आई का लाभ नहीं दे रहा हैं यहाँ तक की ठेकेदार इन मजदूरों को कोई सुरक्षा उपकारण वितरित नहीं किया गया हैं। जिसके कारण मजदूरों अपनी जान जोखिममें डाल कर कार्य करने के लीये विवश हैं ,कांग्रेस नेता ने श्रम विभाग को आड़े हाँथलेते हुये कहा की श्रम विभाग की उदासीनता लापरवाही के कारण ही आज ठेकेदारअपनी मनमर्जी चला रहा हैं और श्रमकानून का खुलेआम उलंघन कर रहा हैंउन्होंने आगे कहा की कार्यरत निर्माण मजदूरों का कोई पंजीयन भी नहीं होना श्रमविभाग की लापरवाही का जिताजाता सबूत हैं। उन्होंने श्रम विभाग से मांग करते हुये कहा निर्माण कार्य स्थल पर पहुंच कर सभी श्रमिकों का पंजीयन करें, पी.एफ ई. स. आई. में इनकी राशि जमा हो, सभी श्रमिकों को सुरक्षा उपकरण वितरित किया जाये इनकी मजदूरी नगद भुकतान करने के बजाये श्रमिकों के बैंक खातों में जमा किया जाये ताकी मजदूरों को सरकारी न्यूनतम वेतन का भुकतान सुनिश्चित किया जा सके !

कथा के अंतिम दिवस पहुंचे प्रदेश उपाध्यक्ष श्री जगन्नाथ पाणिग्राही एवं भाजपा के पदाधिकारीगण

बड़े मानिकपुर में हुआ श्रीमद्भागवत कथा महापुराण का भव्य समापन

सुदामा चरित्र प्रसंग पर भावुक हुए श्रद्धालुगण

सारंगढ़ बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

जिला अंतर्गत ग्राम बड़े मानिकपुर में आयोजित सात दिवसीय संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का समापन अंतिम दिवस सुदामा चरित्र और परीक्षित मोक्ष कथा के साथ अत्यंत हर्षोल्लास और भक्तिभाव के साथ हुआ।कथा के दौरान विशिष्ट अतिथि के रूप में पधारे प्रदेश भाजपा उपाध्यक्ष श्री जगन्नाथ पाणिग्राही जी एवं भाजपा पदाधिकारियों ने व्यासपीठ पर विराजमान पंडित राजेश शास्त्री जी महाराज को माल्यार्पण कर व्यास पीठ का पूजन अर्चन किया। तत्पश्चात विशिष्ट अतिथि श्री जगन्नाथ पाणिग्राही ने कथा पंडाल में उपस्थित श्रद्धालु गणों को संबोधित करते हुए श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान के बारे में बतलाते हुए कहा कि भवसागर से पार जाने का कोई मार्ग है तो निष्काम भक्ति और श्रीमद्भागवत कथा सुनकर पूरा श्लोक नहीं पढ़ सकते तो कम से कम एक श्लोक जरुर पढ़ो और अपने जीवन को उद्धार करो।कथा वाचक पंडित राजेश शास्त्री महराज जी ने सुदामा और श्रीकृष्ण के अटूट मित्रता का मार्मिक वर्णन कर श्रोताओं को भावविभोर कर दिया।कथा के अंतिम दिन कथा व्यास पंडित राजेश शास्त्री महराज ने सुदामा के द्वारका गमन, कृष्ण सुदामा मिलन और सुदामा द्वारा चावल पोटली भेंट करने के प्रसंग को सुनाया।उन्होंने कहा कि सुदामा चरित्र हमें निष्काम भक्ति और सच्ची मित्रता का संदेश देता है।जब कृष्ण ने सुदामा के चरण अपने आंसुओं से धोए तो पूरा पंडाल भावुक हो गया।आचार्य पंडित राजेश शास्त्री ने संदेश देते हुए कहा कि भगवान द्वारकाधीश भक्त सुदामा के गरीबी को दूर करने के लिए बिना मांगे ही त्रिलोक्य का ऐश्वर्य दे देते हैं। सच्चा वैभव धन में नहीं बल्कि विनम्रता और निस्वार्थ प्रेम में निहित है।सुदामा चरित्र के दौरान झांकी निकाली गई थी जिसमें भक्तों ने अरे द्वारपालों कन्हैया से कह दो जैसे भजनों पर जमकर नृत्य किया।कथा के अंत में महराज जी ने परीक्षित मोक्ष की कथा सुनाई, इसके पश्चात भव्य आरती,व्यास पूजन और प्रसाद का वितरण किया गया।कथा में प्रदेश भाजपा उपाध्यक्ष जगन्नाथ पाणिग्राही, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य किसान मोर्चा गजानन गड़तिया, जिला उपाध्यक्ष भाजपा मनोहर पटेल, प्रदेश संयोजक किसान मोर्चा प्रकल्प कैलाश पण्डा, पूर्व जिला पंचायत सदस्य श्रीमती विलास सारथी, जिला उपाध्यक्ष किसान मोर्चा राधामोहन पाणिग्राही, प्राधिकृत अधिकारी जयरतन पटेल, चिकित्सा प्रकोष्ठ संयोजक राजु नायक, मीडिया प्रभारी पिछड़ा वर्ग मोर्चा शुकदेव दुआन, रामप्रताप अग्रवाल, ग्राम पंचायत मानिकपुर के सरपंच प्रतिनिधि लखनलाल सारथी,उपसरपंच प्रतिनिधि प्रेमकिशोर पटेल,वरिष्ठ भाजपा नेता जयप्रकाश पटेल, भोजकुमार नायक, राजकुमार नायक, अजय पटेल,नंदलाल पटेल, कृष्ण कुमार पटेल, मोहन पटेल, महेश मालाकार, राजाराम पटेल, विजय पटेल, नान्हूलाल ईजारदार, युवराज चौधरी, उग्रसेन साहू, भुवनविजय मालाकार, अगनु पटेल, रामकुमार पटेल, नरेश पटेल लखनलाल सारथी, मुनकु मालाकार सहित सैकड़ों की संख्या में भक्त गण एवं आयोजन समिति के सदस्य गण उपस्थित थे।

माँ, के पैसे के लिए बेटे की पुकार, रायगढ़ में फिर छलकी संवेदनहीन सिस्टम की तस्वीर

रायगढ़/मूक पत्रिका

ओडिशा के केंदुझर जिले की दिल दहला देने वाली घटना का दर्द अभी कम भी नहीं हुआ था कि अब छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले से एक और संवेदनाओं को झकझोर देने वाला मामला सामने आया है। घरघोड़ा ब्लॉक के कुडुमकेला गांव का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें एक बेटा अपनी मृत मां के बैंक खाते में जमा रकम पाने के लिए दर-दर भटकता नजर आ रहा है।वीडियो में युवक भावुक होकर बताता है कि उसकी मां के खाते में करीब 44 हजार रुपये जमा हैं। वह कई बार बैंक के चक्कर लगा चुका है, लेकिन अब तक उसे पैसे नहीं मिल पाए हैं। युवक का आरोप है कि बैंक प्रशासन उसकी समस्या को गंभीरता से नहीं ले रहा, जिससे उसकी परेशानी और बढ़ गई है।

यह घटना उस वक्त सामने आई है जब हाल ही में ओडिशा के केंदुझर जिले में एक भाई को अपनी मृत बहन के खाते से पैसे निकालने के लिए उसका कंकाल बैंक ले जाने की मजबूरी ने पूरे देश को स्तब्ध कर दिया था। उस घटना के बाद बैंकिंग व्यवस्था और प्रशासनिक संवेदनशीलता पर बड़े सवाल खड़े हुए थे। अब रायगढ़ का यह मामला एक बार फिर सिस्टम की कार्यप्रणाली पर सवालिया निशान लगा रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि ग्रामीण और गरीब तबके के लोगों को बैंकिंग प्रक्रियाओं की जटिलता के कारण अक्सर भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है, खासकर ऐसे संवेदनशील मामलों में। फिलहाल वायरल वीडियो के बाद यह देखना बाकी है कि प्रशासन इस मामले में कितनी जल्दी संज्ञान लेता है और पीड़ित को न्याय मिल पाता है या नहीं। वहीं, आम लोगों में इस तरह की घटनाओं को लेकर आक्रोश और चिंता साफ देखी जा रही है।

संपादकीय

दो-तिहाई का खेल और दलबदल कानून की घटती प्रासंगिकता

आम आदमी पार्टी से जुड़े राज्यसभा के सात सांसदों ने जिस तरह अपने दल को छोड़ कर भारतीय जनता पार्टी से जुड़ने की घोषणा की है, उसने एक बार फिर राजनीति में नैतिकता और दल-बदल कानून की प्रासंगिकता पर बहस छेड़ दी है। देश के राजनीतिक परिदृश्य में एक दल को छोड़ कर दूसरे में शामिल होने को लोकतांत्रिक अधिकार के तौर पर देखा जाता है। मगर सच यह भी है कि जब जनप्रतिनिधियों ने सिद्धांतों के बजाय सुविधा के मुताबिक पार्टी बदलने को एक आम चलन बनाना शुरू कर दिया, तब इस पर लगाम लगाने की जरूरत पड़ी और इसी क्रम में दल-बदल विरोधी कानून अस्तित्व में आया। विडंबना यह है कि इस कानून के लागू होने के बावजूद अलग-अलग कारणों का हवाला देकर विधायकों या सांसदों के पाला बदलने या दूसरी पार्टियों में शामिल होने के मामले आए दिन सामने आते रहे हैं। मगर इस बार आम आदमी पार्टी से जुड़े राज्यसभा के सात सांसदों ने जिस तरह अपने दल को छोड़ कर भारतीय जनता पार्टी से जुड़ने की घोषणा की है, उसने एक बार फिर राजनीति में नैतिकता और दल-बदल कानून की प्रासंगिकता पर बहस छेड़ दी है। गौरतलब है कि राज्यसभा में आप के दस सांसद थे। उनमें से राघव चड्ढा सहित सात सांसदों ने पार्टी छोड़ दी। उनका मानना है कि चूंकि अलग होने वाले सांसदों की संख्या दो-तिहाई की कसौटी पर पूरी है, इसलिए दल-बदल विरोधी कानून के तहत यह गलत नहीं है।संभव है कि आप छोड़ कर भाजपा में शामिल होने वाले इन नेताओं के लिए सिर्फ कानून के प्रावधानों पर खरा उतरना ही किसी कार्रवाई से बचने के लिए काफी है, लेकिन सवाल है कि क्या केवल तकनीकी तौर पर सही होकर ही खुद को नैतिकता की कसौटी पर भी उचित मान लिया जा सकता है! खैर, आम आदमी पार्टी की ओर से संबंधित सातों सांसदों को अयोग्य घोषित करने की मांग करने की बात कही गई है। हवाला यह दिया गया है कि दल-बदल कानून में राज्यसभा और लोकसभा में किसी भी प्रकार का विभाजन या गुटबंदी करने पर स्पष्ट तौर पर मनाही की गई है, भले ही वहां दो-तिहाई बहुमत हो। जाहिर है, आप के नेता अब दल-बदल से संबंधित कानूनी बारीकियों के मुताबिक कार्रवाई की उम्मीद कर रहे हैं। मगर यह देखने की बात होगी कि इस मसले पर मान्यता का मुद्दा उठने पर अंतिम फैसला क्या आता है। एक सवाल अपना दल छोड़ कर सांसदों के भाजपा में शामिल होने और पार्टी के रूप में विलय से जुड़े संदर्भ का भी उठेगा। हालांकि पिछले कुछ समय से राघव चड्ढा की राजनीतिक सक्रियता जिस तरह उलझी हुई दिख रही थी, उसके मद्देनजर पहले से ही उनके पार्टी से बाहर होने की संभावना जताई जा रही थी। मगर उनके साथ जिस तरह छह अन्य नेताओं ने पार्टी छोड़ी है, उसे लेकर राजनीतिक हलके में थोड़ी हैरानी जताई जा रही है। देश की राजनीति में बिना किसी सैद्धांतिक आधार के सुविधा के मुताबिक पार्टी बदलने की प्रवृत्ति और इसके सहारे सरकारों की स्थिरता के प्रभावित होने के हालात को रोकने के लिए दल-बदल कानून बनाया गया था। मगर पिछले कुछ वर्षों से इस कानून के तहत मिली छूट का लाभ उठा कर कई राज्यों में जिस तरह सरकारें बदली गईं, उसमें कहीं भी सैद्धांतिक कसौटी का ख्याल रखना जरूरी नहीं समझा गया।

युद्ध की आग में आर्थिक अवसर, ईरान की आक्रामक रणनीति

मौजूदा परिदृश्य में ईरान का रुख बिल्कुल साफ है कि अमेरिका और इजराइल के आगे वह झुकने वाला नहीं है। उसका इरादा उसके इस एलान में भी साफ नजर आता है कि युद्ध अमेरिका और इजराइल ने शुरू किया था, लेकिन खत्म ईरान की इच्छा से ही होगा। हाल ही में अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच युद्धविराम को अनिश्चितकाल के लिए बढ़ा दिया गया। यह घोषणा अमेरिका की ओर से की गई, लेकिन ईरान ने होर्मुज जलमार्ग को अभी भी अवरुद्ध कर रखा है। एक तरफ अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से ईरान को बंद पड़े इस समुद्री मार्ग को न खोलने पर परिणाम भुगतने की चेतावनी दी जा रही है, दूसरी तरफ ईरान इसे कमाई के अवसर के रूप में देख रहा है। दरअसल, ईरान ने होर्मुज जलमार्ग में अपने लिए 'एक सुरक्षित कॉरिडोर' तैयार किया है, जो लार्क द्वीप के आसपास से होकर गुजरता है।

(अखिलेश आर्येंदु)

इस नई व्यवस्था के जरिए संघर्ष की स्थिति में भी ईरान कमाई के साधन बढ़ाने की कोशिशों में जुटा है। मीडिया रपटों के मुताबिक, अमेरिका की धमकियों से ईरान दबाव में आने के बजाय बेखौफ होकर अपनी रणनीति और कूटनीति के साथ सधे कदमों से काम कर रहा है। ईरान के एक सांसद के मुताबिक, होर्मुज जलमार्ग से गुजरने वाले तेल के चुनिंदा जहाजों पर ईरान की ओर से लगभग दो मिलियन डालर का शुल्क लगाया जा रहा है। हालांकि, जब से अमेरिका ने समुद्र में नाकेबंदी शुरू की है, तब से इस कार्य में ईरान के लिए चुनौतियां बढ़ गई हैं। पिछले दिनों अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को चेतावनी देते हुए कहा था कि होर्मुज जलमार्ग को पूरी तरह नहीं खोला गया, तो उसके ऊर्जा संयंत्रों को नष्ट कर दिया जाएगा। मगर इससे दबाव में आने के बजाय ईरान ने पलटवार करते हुए कहा कि यदि अमेरिका की ओर से हमले की कार्रवाई की गई, तो कड़ा जवाब दिया जाएगा। इन बयानों से दुनिया की अर्थव्यवस्था पर असर पड़ा और शेयर बाजारों में भी भारी गिरावट देखी गई। ईरान की कूटनीति और रणनीति अब भी आक्रामक प्रतिक्रिया वाली है। वह अमेरिका की चेतावनियों और धमकियों का जवाब उसी अंदाज में दे रहा है। ऐसे में यह कहना बहुत मुश्किल है कि दोनों पक्षों के बीच युद्ध कब तक थमा रहेगा। इस युद्ध में ईरान में अब तक हताहतों की तादाद इजराइल से भले ज्यादा हो, लेकिन वह एक कदम भी पीछे हटने का संकेत नहीं दे रहा है, उल्टे इस संघर्ष में वह कमाई करने का मौका देख रहा है। यही वजह है कि ईरान बेहद सधी रणनीति से आगे बढ़ते हुए अपने ध्वस्त ढांचों को फिर से खड़ा करने और संघर्ष में धन की कमी को पूरा करने के लिए तेल को हथियार की तरह इस्तेमाल कर रहा है।

मौजूदा परिदृश्य में ईरान का रुख बिल्कुल साफ है कि अमेरिका और इजराइल के आगे वह झुकने वाला नहीं है। उसका इरादा उसके इस एलान में भी साफ नजर आता है कि युद्ध अमेरिका और इजराइल ने शुरू किया था, लेकिन खत्म ईरान की इच्छा से ही होगा, यानी उसने अमेरिका और इजराइल को स्पष्ट तौर पर यह संदेश दिया है कि उसे धमकियों से डराया नहीं जा सकता। ईरान सोची-समझी रणनीति के तहत अमेरिका समर्थित अरब देशों को निशाना बना रहा है। यहां तक कि दुबई पर भी हमले कर रहा है, जहां दुनिया के करीब दो सौ देशों के लोग रहते हैं। सवाल है कि दुबई पर हमला करके ईरान को क्या फायदा मिल रहा है या भविष्य में मिल सकता है? इसके लिए दुबई की 'धनकुबेर' वाली छवि को समझना होगा और यह भी जानना होगा कि दुबई पर ईरान के हमलों के पीछे की रणनीति या कूटनीति किस तरह की है?

ईरान इस संघर्ष को ऐसे अवसर के रूप में देख रहा है, जो आगे चलकर उसकी अर्थव्यवस्था के लिए काफी फायदेमंद साबित हो सकता है। दुबई पर उसका हमला इसी दूरदृष्टि का परिणाम है। ईरान जानता है कि अमेरिकी दोस्त दुबई की धनकुबेर वाली छवि को खराब करने के लिए उस पर हमला करना जरूरी है। लोग घबराकर दुबई को छोड़ कर एक सुरक्षित जगह की तलाश करेंगे, जिसका असर उसकी अर्थव्यवस्था पर तो पड़ेगा ही, उसकी धनकुबेर वाली छवि भी खराब हो सकती है। ईरान के हमलों से वहां के कारोबार और पर्यटन पर गहरा असर पड़ेगा, जिससे उसकी आमदनी भी प्रभावित होगी। आंकड़ों के मुताबिक, पिछले साल दुबई में दो करोड़ से ज्यादा पर्यटक आए थे, जिससे उसकी बड़े पैमाने पर आमदनी हुई। ईरान के हमलों से दुबई जाने वाले लोगों की संख्या में कमी आएगी, जिसका अप्रत्यक्ष रूप से उसे फायदा होगा।

पश्चिम एशिया में जब से संघर्ष की शुरुआत हुई है, तब से तेल की कीमतों में भारी उछाल आया है। इसका फायदा उठाकर ईरान अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की कोशिश में जुटा है। दूसरी तरफ होर्मुज जलमार्ग के बाधित होने के कारण वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति पर असर पड़ा है। विश्लेषकों का मानना है कि युद्ध की वजह से ईरान को ढांचागत क्षति के साथ अतिरिक्त प्रतिबंधों का भी सामना करना पड़ सकता है, लेकिन तत्काल ऊर्जा की कीमतें उसके लिए एक आर्थिक हथियार के रूप में काम कर रही हैं। इस बीच, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भारत सहित दुनिया के कई देशों से कह चुके हैं कि रूस से तेल ज्यादा से ज्यादा खरीदा जाना चाहिए, जिससे दुनिया में ऊर्जा का कोई गंभीर संकट न पैदा हो। इससे रूस को फायदा हो रहा है और इसके परिणामस्वरूप ईरान को अप्रत्यक्ष रूप से मदद मिल रही है। चूंकि रूस और चीन के साथ ईरान के संबंध बेहतर हैं, इसलिए उसे इन देशों से आर्थिक और कूटनीतिक सुरक्षा मिल रही है।

यह सच है कि ईरान की अर्थव्यवस्था तेल और प्राकृतिक गैस के निर्यात पर टिकी है, जो दुनिया के सबसे बड़े जीवाश्म ईंधन भंडारों में से एक है। दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा प्राकृतिक गैस भंडार और चौथा तेल भंडार ईरान के पास है। वह होर्मुज जलमार्ग को बाधित कर अमेरिका को यह संदेश देना चाहता है कि उसके मूलभूत ढांचों और संयंत्रों पर हमला करने से महज उसका ही नुकसान नहीं होगा, बल्कि दुनिया के तमाम देशों पर इसका प्रत्यक्ष असर पड़ेगा। ईरान का कहना है कि अमेरिका को अब यह समझ में आ रहा है कि प्रतिबंधों और हमलों से उसे वह सब हासिल नहीं हो पाया है, जिसके लिए उसने इजराइल के साथ मिलकर हमले किए थे।ईरान दुनिया को यह संदेश देने में भी सफल होता दिखाई दे रहा है कि इजराइल और अमेरिका की ओर से उसके ऊपर किए गए हमले गैरजरूरी और उसकी संप्रभुता को खत्म करने की कोशिश हैं। यही वजह है कि नाटो देश इस युद्ध में अमेरिका का साथ देने को तैयार नहीं हुए। अब ईरान खुद को एक तरह से इस संघर्ष का विजेता मान रहा है, क्योंकि तेल और गैस की आपूर्ति को रोककर उसने वैश्विक संकट खड़ा कर दिया है और अमेरिका इसे सुलझाने में अब तक विफल रहा। जो भी हो, इस युद्ध से अभी तक अमेरिका और इजराइल को वह हासिल होता हुआ नजर नहीं आ रहा है, जिसके लिए युद्ध को एकमात्र विकल्प बताया गया था।

शिक्षा सत्र में जल्दबाजी, बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य और उत्साह पर भारी पड़ता बदलाव

(राजेंद्र जोशी)

शिक्षा नीति 2020 के तहत सत्र को जल्दी शुरू करना शायद सीखने की अवधि में ज्यादा अंतराल को कम करने का प्रयास है, लेकिन व्यवहारिकता गायब है। बच्चे परीक्षा की थकान अभी ठीक से उतार नहीं पाए थे कि नई किताबें थमा दी गईं।बच्चों के परीक्षा परिणाम घोषित हो चुके हैं। पिछले कुछ वर्षों के मुकाबले इस बार नया शिक्षा सत्र भी समय से पहले प्रारंभ हो गया है। अब गर्मी की छुट्टियां सत्र की शुरुआत के डेढ़ माह बाद होने की स्थिति बन रही है। दरअसल, परिणाम के तुरंत बाद नए सत्र में बच्चों को नई कक्षा में प्रवेश मिल गया। इस बीच परीक्षा में पास होने की खुशी से उपजे आनंद को महसूस करने, उमंग में थोड़ा झूमने का समय बच्चों को बिल्कुल नहीं मिला। बच्चे अभी परिणाम की मिठास चख ही पाए थे कि स्कूल की कक्षाओं की घंटियां बज गईं। ऐसा लगता है कि कुछ मजा नहीं आ रहा, नए सत्र का एहसास भी नहीं हो पा रहा।

डेढ़-दो दशक पहले अगली कक्षा में जाने की जबरदस्त खुशी का वातावरण घर-परिवार के साथ-साथ दोस्तों के बीच छा जाता था। कई दिनों तक दोस्तों के साथ मस्ती, ननिहाल में हंसी-ठिठोली का माहौल बना रहता। रंग-बिरंगे गुब्बारे, मिठाइयां बांटना, नए कपड़े पहनना- सब कुछ उत्सव की तरह होता। मगर इस बार न मस्ती है, न ही अगली और बड़ी कक्षा में प्रवेश का उत्साह। नए सत्र की तैयारी, जो घर-घर में त्योहार की तरह होती थी, इस बार वह भी अधर में लटक गई। शिक्षा सत्र को लेकर तैयारी का समय ही नहीं मिला और अगले ही दिन कक्षा बदल गई।

अध्ययन का समय बढ़ाना और सत्र के कैलेंडर में वर्ष भर परिवर्तन करने को लेकर शायद ही किसी को कोई आपत्ति होगी, लेकिन परिणाम के ठीक अगले दिन स्कूल फिर शुरू हो जाना और डेढ़ माह बाद छुट्टियों की शुरुआत की व्यवस्था व्यावहारिक रूप से जंच नहीं रही। यह समझना मुश्किल है कि ऐसा क्यों किया गया। क्या इसमें बच्चों की रुचि रही है या उनकी क्षमता विकसित करने का कोई बड़ा इरादा है! स्कूलों को भी नए शिक्षा सत्र के स्वागत की तैयारी के लिए समय नहीं मिला। कक्षाएं सजाने, शिक्षकों का प्रशिक्षण, नई किताबों का वितरण- सब कुछ जल्दबाजी में हो गया। नतीजा यह हुआ है कि बच्चे थके-मांदे से लग रहे हैं, उत्साह की जगह ऊब और बोरियत ने ले ली है। सवाल है कि बच्चों के साथ ऐसा होने का लाभ किसे मिलने वाला है?

पुराने समय में गर्मी की छुट्टियां डेढ़ माह लंबी होती थीं। स्कूल बंद होते ही सत्र की समाप्ति को लेकर खुशी देखी जाती। फिर उसके बाद नए शिक्षा सत्र की शुरुआत होती। आमतौर पर छुट्टियों के अंतिम दस दिन विशेष तैयारी के होते। मां-पिता कपड़े संभालते, धोते-रंगते। स्कूल का नया परिधान सिलवाया जाता, पुराने परिधान को संभाल कर रखा जाता। यह सब करना रोमांच से भरा होता था। नई किताबें बाजार से लाई जातीं। उनकी चमक-दमक देखकर बच्चे उछल पड़ते। स्कूल बैग भी नया लाया जाता था, अभ्यास पुस्तिकाएं खरीदी जातीं। दोस्तों के साथ किताबें बदलना, कवर चढ़ाना- इस तरह की छोटी-छोटी बातें भी खुशी का सबब बनती थीं।

अब नई कक्षा में बैठने का जश्न और उत्साह ही अलग होता। पहले दिन स्कूल पहुंचते ही नजरें नई बेंच पर टिक जातीं। अपना स्थान चुनना, नाम लिखना, दोस्तों से बातें करना- वह सब रोमांचक लगता। स्कूल जल्दी जाने की लालसा होती। सुबह उठकर तैयार होना, मां के हाथ का नाश्ता खाना और बैग कंधे पर लटकाकर दौड़ पड़ना। अगली कक्षा में जाकर अपना स्थान 'रोकने' का इंतजार रहता। ऊंचाई की खुशी, बड़े होने का अहसास- सब कुछ जिंदगी का हिस्सा बन जाता। मगर आज वह उमंग या उत्साह कहां है? नई कक्षा में जाने की विशेष तैयारी भी नहीं हो पाती। बच्चे बस यों ही चले जाते हैं, बिना किसी धूमधाम के।

इस बदलाव का सबसे बड़ा नुकसान बच्चों की मानसिकता पर पड़ रहा है। शिक्षा नीति 2020 के तहत सत्र को जल्दी शुरू करना शायद सीखने की अवधि में ज्यादा अंतराल को कम करने का प्रयास है, लेकिन व्यवहारिकता गायब है। बच्चे परीक्षा की थकान अभी ठीक से उतार नहीं पाए थे कि नई किताबें थमा दी गईं। पास होने की खुशी मनाने का समय न मिले, तो आगे पढ़ाई में मन कैसे लगे? राजस्थान जैसे गर्म इलाकों में अप्रैल-मई की तपिश में डेढ़ माह बाद छुट्टियां देना स्वास्थ्य के लिए भी ठीक नहीं। बच्चे गर्मी से परेशान होंगे, तो उनकी एकाग्रता भंग होगी और सेहत पर जोखिम बढ़ेगा।

पहले छुट्टियां बच्चों के लिए अपने भीतर फिर से ऊर्जा भरने का समय होती थीं। खेलना-कूदना, परिवार के साथ समय बिताना, ननिहाल जाना- यह सब मानसिक विकास के लिए जरूरी था। दोस्तों के साथ क्रिकेट, कबड्डी या गलियों में ठोकरें लगाना। अब वह मौका ही नहीं मिल पाता। सोशल मीडिया की स्थिति यह है कि कई बार वहां दोस्तों की तस्वीरें देखकर कुछ लोगों को जलन होती होगी। इस तरह की भावना अगर बच्चों के भीतर आए, तो उनके भीतर नकारात्मकता पैदा होगी। विशेषज्ञ कहते हैं कि सीखने के लिए उत्साह जरूरी है। बिना उत्साह के रट्टा लगाना बोझ बन जाता है।

बचपन पर कैंसर का साया, चिकित्सा विज्ञान की प्रगति और स्वास्थ्य असमानता के बीच संघर्ष

बचपन को सपनों का 'सुनहरा दौर' माना जाता है, लेकिन कैंसर हजारों बच्चों से ये दौर छीन रहा है। 'द लैंसेट' की एक हालिया रिपोर्ट वैश्विक स्वास्थ्य के क्षेत्र में एक चौंकाने वाली विफलता को उजागर करती है। बचपन जीवन का वह स्वर्णिम काल होता है, जिसमें सपनों की नींव रखी जाती है, संभावनाओं के पंख विकसित होते हैं और भविष्य की दिशा तय होती है। मगर आज यही बचपन कैंसर जैसे जटिल रोगों की गिरफ्त में आ रहा है, जो न केवल बच्चों के जीवन के सबसे कीमती वर्षों को छीन रहा है, बल्कि उनकी जान भी ले रहा है। यह केवल जीवनशैली और प्राकृतिक बदलाव का परिणाम नहीं है, बल्कि व्यवस्था से जुड़ा सवाल भी है। सबसे भयावह और असमानता का पहलू यह है कि बाल्यावस्था में कैंसर से होने वाली 94 फीसद मौत और 85 फीसद नए मामले कम एवं मध्यम आय वाले देशों में सामने आ रहे हैं।

(योगेश कुमार गोयल)

यानी जिन देशों में संसाधन सबसे कम हैं, वहां इस रोग का कहर सबसे अधिक है। भारत भी इस त्रासदी से अछूता नहीं है, जहां हर वर्ष लगभग 17 हजार बच्चे कैंसर के कारण अपनी जान गंवा देते हैं। स्पष्ट है कि कैंसर से जंग केवल व्यक्तिगत नहीं, बल्कि आर्थिक और व्यवस्था के स्तर पर भी है।

'द लैंसेट' में प्रकाशित रपट 'ग्लोबल बर्डन ऑफ डिजीज-2023' बाल्यावस्था में कैंसर के संकट की भयावहता को उजागर करती है। यह वैश्विक स्वास्थ्य प्रणालियों की विफलता और स्वास्थ्य असमानता की तस्वीर पेश करती है, जिसमें सबसे ज्यादा पीड़ा उन देशों की झलकती है, जहां संसाधन सीमित हैं और स्वास्थ्य व्यवस्था कमजोर। रपट के अनुसार, वर्ष 2023 में दुनिया भर में बाल्यावस्था के कैंसर के लगभग 3.77 लाख नए मामले सामने आए और करीब 1.44 लाख बच्चों की मृत्यु हो गई। इससे स्पष्ट है कि बाल्यावस्था का कैंसर अब केवल एक चिकित्सीय चुनौती नहीं रहा, बल्कि स्वास्थ्य व्यवस्था की संरचनात्मक कमजोरियों और सामाजिक-आर्थिक असमानताओं का प्रतीक बन गया है।

भारत के संदर्भ में यह संकट कई स्तरों पर जटिल है। एक ओर चिकित्सा विज्ञान ने कैंसर के उपचार में अभूतपूर्व प्रगति की है, दूसरी ओर इन आधुनिक सुविधाओं तक पहुंच अभी भी सीमित है। देश के बड़े शहरों में तो उन्नत कैंसर उपचार केंद्र मौजूद हैं, लेकिन ग्रामीण और दूरदराज क्षेत्रों में ये सुविधाएं न के बराबर हैं। परिणामस्वरूप अधिकांश बच्चे तब अस्पताल पहुंचते हैं, जब बीमारी अंतिम चरण में होती है। यही कारण है कि भारत में बाल कैंसर के मामलों में जीवित रहने की दर विकसित देशों की तुलना में काफी कम है।

लैंसेट की रपट से पता चलता है कि बाल्यावस्था का कैंसर वर्ष 2023 में बच्चों की मृत्यु का आठवां प्रमुख कारण रहा। यही नहीं, यह 'डिसेबिलिटी-एडजस्टेड लाइफ ईयर्स' (डीएएलवाई) के संदर्भ में भी दसवां सबसे बड़ा कारण है। 'डीएएलवाई' का अर्थ है, स्वस्थ जीवन के एक वर्ष का नुकसान यानी कैंसर केवल जीवन ही नहीं छीन रहा, बल्कि बच्चों के स्वस्थ, सक्रिय और कीमती समय को भी नष्ट कर रहा है। यह एक ऐसी क्षति है, जिसका सामाजिक और आर्थिक प्रभाव दीर्घकालिक एवं गहरा होता है।

सबसे ज्यादा चिंताजनक पहलू यह है कि बाल्यावस्था के कैंसर के अधिकांश मामलों का संबंध जीवनशैली से नहीं होता, जैसा कि वयस्कों में देखा जाता है, बल्कि बच्चों में कैंसर अक्सर आनुवंशिक परिवर्तनों या कोशिकीय असामान्यता के कारण विकसित होता है। ल्यूकेमिया (रक्त कैंसर) बच्चों में सबसे अधिक पाया जाने वाला कैंसर है, जिससे वर्ष 2023 में लगभग 45,900 बच्चों की मृत्यु हुई। इसके बाद मस्तिष्क और तंत्रिका तंत्र के कैंसर हैं, जिससे 23,200 बच्चों की मौत हुई। वैश्विक परिप्रेक्ष्य में देखें, तो एक विरोधाभास स्पष्ट रूप से उभरकर सामने आता है। वर्ष 1990 की तुलना में 2023 में बाल्यावस्था के कैंसर से होने वाली मौत में लगभग 27 फीसद की कमी आई है,

जो चिकित्सा विज्ञान की प्रगति का स्पष्ट संकेत है। मगर यह प्रगति समान रूप से वितरित नहीं है। जहां विकसित देशों में इलाज की बेहतर सुविधाओं के कारण मृत्यु दर में गिरावट आई है, वहीं अफ्रीका जैसे क्षेत्रों में यह दर 55 फीसद से अधिक बढ़ गई है। यह असमानता साफ तौर पर वैश्विक स्वास्थ्य व्यवस्था की विफलता को दर्शाती है।

भारत की बात की जाए, तो यहां बाल कैंसर की चुनौती केवल चिकित्सा तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सामाजिक और आर्थिक आयामों से भी जुड़ी हुई है। एक ओर इलाज का खर्च अत्यधिक है, दूसरी ओर अधिकांश परिवारों के पास स्वास्थ्य बीमा या वित्तीय सुरक्षा नहीं होती है। परिणामस्वरूप कई मामलों में इलाज अधूरा रह जाता है। इसके अलावा, जागरूकता की कमी भी एक बड़ी समस्या है। प्रारंभिक लक्षणों को अक्सर सामान्य बीमारी समझकर नजरअंदाज कर दिया जाता है, जिससे निदान में देरी होती है और उपचार की संभावना कम हो जाती है। स्वास्थ्य प्रणाली की संरचनात्मक कमजोरियां भी इस संकट को बढ़ाने में अहम भूमिका निभाती हैं। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर प्रशिक्षित चिकित्सकों और आवश्यक जांच सुविधाओं का अभाव, विशेषज्ञों की कमी और बड़े अस्पताल भेजने की प्रक्रिया में जटिलता बच्चों को समय पर उपचार मिलने में बाधा उत्पन्न करती है।

हालांकि इस निराशाजनक परिदृश्य के बीच उम्मीद की किरण भी दिखाई देती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की ओर से शुरू किया गया 'ग्लोबल चाइल्डहुड कैंसर इनिशिएटिव' इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिसका उद्देश्य वर्ष 2030 तक कैंसर से पीड़ित बच्चों में जीवित रहने की दर को कम से कम साठ फीसद तक बढ़ाना है। इसके तहत समय पर निदान, सस्ती और सुलभ दवाओं की उपलब्धता, प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मियों की संख्या बढ़ाने और स्वास्थ्य प्रणाली को मजबूत करने पर जोर दिया जा रहा है। भारत में भी सरकार और विभिन्न संस्थाएं इस दिशा में प्रयासरत हैं। आयुष्मान भारत जैसी योजनाएं आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को इलाज की सुविधा प्रदान कर रही हैं। इसके अलावा, टेलीमेडिसिन, संचालित स्वास्थ्य इकाइयों और डिजिटल स्वास्थ्य मंच के माध्यम से दूरदराज के क्षेत्रों तक सेवाएं पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। मगर इस कवायद को और अधिक व्यापक, समन्वित और प्रभावी बनाने की आवश्यकता है।

इसमें दोराय नहीं कि इस समस्या का समाधान केवल चिकित्सा प्रगति से संभव नहीं है, बल्कि इसके लिए बहुआयामी दृष्टिकोण अपनाने की जरूरत है। सबसे पहले, जन-जागरूकता को बढ़ाना होगा, ताकि माता-पिता और शिक्षक प्रारंभिक लक्षणों को पहचान सकें। इसके साथ ही, प्राथमिक स्वास्थ्य प्रणाली को सुदृढ़ करना होगा, ताकि शुरुआती स्तर पर ही रोग की पहचान और उपचार संभव हो सके। चिकित्सा शिक्षा और प्रशिक्षण में निवेश बढ़ाना भी आवश्यक है, ताकि पर्याप्त संख्या में विशेषज्ञ उपलब्ध हो सकें। स्वास्थ्य सेवाओं में समानता सुनिश्चित करना अत्यंत जरूरी है। जब तक ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच और अमीर एवं गरीब देशों के बीच स्वास्थ्य सुविधाओं की खाई कम नहीं होगी, तब तक इस समस्या का समाधान अधूरा ही रहेगा।

बचपन को कैंसर से बचाना केवल एक चिकित्सा लक्ष्य नहीं, बल्कि एक नैतिक दायित्व भी है। यह उस समाज की पहचान है, जो अपने सबसे कमजोर और अनमोल वर्ग की रक्षा करने में सक्षम है। यदि हम वास्तव में एक स्वस्थ और समृद्ध भविष्य की कल्पना करते हैं, तो यह सुनिश्चित करना होगा कि कोई भी बच्चा केवल इसलिए अपनी जान न गंवाए, क्योंकि उसे समय पर इलाज नहीं मिल सका। कैंसर से जूझता बचपन हमें यह अहसास कराता है कि विकास केवल आर्थिक प्रगति से नहीं मापा जा सकता, बल्कि यह इससे तय होता है कि हम अपने बच्चों को कितना सुरक्षित, स्वस्थ और सम्मानजनक जीवन दे पा रहे हैं।

जॉब के लिए इन चीजों की कुर्बानी कभी न दें

हम आठ से दस घंटे जॉब करते हैं और वह भी अपना पूरा सौ प्रतिशत देकर। आप भले ही अपने जॉब से कितना भी प्यार क्यों न करते हों लेकिन आपको अपने व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन में सीमा बनाकर रखने की जरूरत होती है। अगर हम ऐसा नहीं करेंगे तो हमारा काम, हमारा स्वास्थ्य, हमारा निजी जिंदगी प्रभावित होगी। आइए जानते हैं कि ऐसी कौन सी 5 चीजें हैं जिसे आपको अपने जॉब के लिए कभी कुर्बान नहीं करना चाहिए।

आपका स्वास्थ्य

यह बहुत ही मुश्किल होता है कि काम के समय आप अपने स्वास्थ्य के लिए सीमा तैयार कर ले क्योंकि आपको इसके दुष्प्रभाव का अंदाज ही नहीं होता। आप तनाव का स्वागत करते हैं, नींद खो देते हैं और बिना व्यायाम के लंबे समय पर बैठकर काम करते हैं। जब तब आपको इस बारे में पता चलेगा आपकी हालत खराब हो चुकी होगी। इसलिए इस बात को सुनिश्चित कर लें कि आपकी जॉब के कारण आपके हेल्थ पर कोई गलत प्रभाव तो नहीं पड़ रहा है। कोई भी जॉब ऐसी नहीं है जिसकी कीमत आपके स्वास्थ्य से बढ़कर हो।

आपका परिवार

यह बहुत ही आसान होता है कि आपका परिवार आपके जॉब के कारण प्रभावित हो रहा हो। हममें से कई लोग यह करते हैं क्योंकि हम हमारी नौकरी को हमारे परिवार का चलाने का साधन मानते हैं। आप यह सोचते हैं कि बच्चों को अच्छे कॉलेज-स्कूल में पढ़ाना है तो मुझे ज्यादा पैसा कमाना होगा। बस फिर क्या आप परिवार के साथ क्वॉलिटी टाइम भी नहीं बिता पाते। आप ऐसी कई मेमोरिज मिस कर देते हैं जो आपके परिवार को खुशियां देती है।

आपका विवेक

वह जॉब जो आपके विवेक का एक छोटा सा हिस्सा भी ले ले तो यह आपके लिए अच्छा नहीं है। आपका विवेक कुछ ऐसा है कि इसे आपको ही मॉनिटर करना होगा और खुद को हेल्दी रखने के लिए सीमाएं तय करनी होगी।

आपकी पहचान

जब आपका काम आपकी पहचान का महत्वपूर्ण हिस्सा है तो यह खतरनाक साबित हो सकता है कि आपकी पूरी पहचान केवल आपका काम ही हो। अपनी पहचान के बाहर का काम कर के आपको सुखद एहसास होगा। यह आपके तनाव दूर करने में मदद करेगा और एक व्यक्ति के रूप में विकास करने में मददगार साबित होगा।

आपके संपर्क

आपके संपर्क आपकी मेहनत और प्रयास का उत्पाद है। किसी भी जॉब की खातिर आप अपने अच्छे संपर्क सूत्रों से मुंह नहीं मोड़ सकते हैं।

समृद्ध सामाजिक जीवन हेतु समाज को सक्षम बनाने के लिए उपयोगी है गृह विज्ञान

वर्तमान समय में होम साइंस अर्थात गृह विज्ञान विषय बहुत व्यापक हो गया है, इसे अब केवल खाना बनाने में दक्षता वाला क्षेत्र ही नहीं माना जाता अपितु गृह-कार्यों को श्रेष्ठता से सम्पन्न करने वाला विज्ञान माना जाने लगा है। होम साइंस एक अंतरविषयी क्षेत्र है, जिसमें कई विषय सम्मिलित हैं। होम साइंस में जीव विज्ञान, भौतिकी, रसायन विज्ञान, शरीर विज्ञान, स्वास्थ्य, अर्थशास्त्र, ग्रामीण विषय, सामाजिक एवं परिवार संबंध, बाल विकास, खाद्य एवं पोषण, परिधान डिजाइन, पहनावा, मानव विकास संसाधन, गृह प्रबंधन, गृह सज्जा, प्रदर्शनी एवं प्रदर्शन कला, ब्यूटी कल्चर, गृह प्रबंध, फैशन मैनेजमेंट, शिशु देखभाल, भोजन प्रबंध, टेक्सटाइल एंड क्लोथिंग, पोषण इत्यादि विषय समाहित हो गए हैं और यह विषय बदलते वक्त की आवश्यकता बन गया है। इस विषय का ज्ञान रखने वाले युवा बेहतर कॅरियर बना सकते हैं।

गृह विज्ञान का उद्देश्य नित्य परिवर्तनशील समाज में घर, सामाजिक तथा पारिवारिक जीवन के कल्याण और स्वास्थ्य को बनाए रखना है। गृह प्रबंधन के लिए कौशल एवं वैज्ञानिक ज्ञान अपेक्षित होता है जो मात्र घर के कार्यकलापों तक सीमित नहीं होता बल्कि यह एक चुनौतीपूर्ण व्यवसाय का आधार भी बनता है। गृह विज्ञान पाठ्यक्रम का उद्देश्य न केवल बेहतर गृह प्रबंध से जुड़ा हुआ है, बल्कि यह समृद्ध सामाजिक तथा पारिवारिक जीवन के लिए विशेषज्ञ परामर्श देने हेतु समाज को सक्षम बनाने के लिए उपयोगी है। गृह विज्ञान प्रकृति में अधिकांशतः वैज्ञानिक है और इसलिए विश्लेषिक मस्तिष्क एवं वैज्ञानिक कुशाग्र बुद्धि होना इस विषय में कॅरियर बनाने हेतु आवश्यक है। इस क्षेत्र में एक व्यावहारिक सोच, सौंदर्यपरक, सृजनशील तथा युक्तिसंगत अभिवृत्ति होना अपेक्षित है।

गौरतलब है कि गृह विज्ञान 10 +2 स्तर पर एक विषय के रूप में लिया जा सकता है। गृह विज्ञान में शिक्षा चार चरणों में डिप्लोमा डिग्री, स्नातकोत्तर डिग्री और डॉक्टरेट स्तर पर प्रदान की जाती है। होम साइंस में बेहतर कॅरियर बनाने के लिए व्यावसायिक पाठ्यक्रम करने आवश्यक हैं। हालांकि एक विषय के रूप में होम साइंस स्कूलों में पढ़ाया जाता है, परंतु यह होम साइंस का बहुत सूक्ष्म रूप होता है जो केवल विषय की सतही जानकारी ही देता है। इसके अलावा कई विश्वविद्यालय होम साइंस में डिप्लोमा भी कराते हैं, जो एक वर्षीय या दो वर्षीय अवधि के होते हैं। जो विद्यार्थी होम साइंस को स्नातक स्तर पर चुनना चाहते हैं, उनके लिए यह आवश्यक है कि उन्होंने इस विषय को 12वीं तक पढ़ा हो। यह पाठ्यक्रम कला एवं विज्ञान दोनों विषयों के साथ उपलब्ध है। आप बीएससी होम साइंस, होम इकोनॉमिक्स, एप्लाइड न्यूट्रीशन, ह्यूमन न्यूट्रीशन, खाद्य व तकनीक, हेल्थ एंड न्यूट्रीशन, फूड टेक्नोलॉजी, फूड सर्विसेज से तथा होम साइंस से बीए कर सकते हैं।

गृह विज्ञान में डिप्लोमा पाठ्यक्रम एसएनडीटी महिला विश्वविद्यालय, मुंबई में चलाया जा रहा है। ग्रेजुएशन स्तर पर आप बीएससी (ऑनर्स) या बीए (गृह विज्ञान) या गृह विज्ञान स्नातक (बीएचएससी) डिग्री चुन सकते हैं। गृह विज्ञान की विभिन्न शाखाओं में स्नातक या स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम भी किया जा सकता है। जादवपुर विश्वविद्यालय एक वर्षीय अवधि का बीएड (गृह विज्ञान) पाठ्यक्रम चलाता है। जो अपनी किस्म का एकमात्र पाठ्यक्रम है। कई विश्वविद्यालयों में एमफिल तथा डॉक्टोरल (पीएचडी) पाठ्यक्रम की सुविधा भी उपलब्ध है।

पूर्णकालिक एमफिल पाठ्यक्रम की अवधि एक वर्ष है, जबकि अंशकालिक पाठ्यक्रम में दो वर्ष अध्ययन करना होता है। पीएचडी पाठ्यक्रम तीन से चार वर्षों में पूरा किया जा सकता है। इस क्षेत्र में कॅरियर चुनने वाले व्यक्ति को यथार्थवादी सोच सहित तार्किक बुद्धि एवं संतुलित मनोवृत्ति वाला होना चाहिए। कलात्मक कल्पना के साथ सृजनशीलता होना भी इस क्षेत्र में आवश्यक है। होम साइंस रोजगार की दृष्टि से एक अत्यंत उपयोगी विषय है। इससे स्नातक एवं स्नातकोत्तर करने के उपरांत न केवल सरकारी तथा प्रायवेट क्षेत्र में नौकरियाँ हासिल की जा सकती हैं, बल्कि कई प्रकार के स्वरोजगार की प्रारंभ किए जा सकते हैं। इसके अलावा इस क्षेत्र में उच्च शिक्षा नेट/पीएचडी आदि के उपरांत अध्यापन का पेशा भी अपनाया जा सकता है। गृह विज्ञान विषय से स्नातक कोर्स करने के उपरांत सामुदायिक एवं सामाजिक कार्य के क्षेत्रों तथा गैर सरकारी संगठनों, अस्पतालों में खाद्य एवं पोषण से जुड़े कार्यों तथा खाद्य सेवाओं में कॅरियर बनाया जा सकता है। विश्वविद्यालयों तथा कॉलेजों में एसोसिएट प्रोफेसर, सहायक प्रोफेसर, प्रोफेसर के रूप में अध्यापन व्यवसाय में कार्य ग्रहण करने के अलावा शिक्षा अधिकारी, सामाजिक कार्यकर्ता, मनोवैज्ञानिक तथा अनुसंधानकर्ता के रूप में भी अवसर हैं। गृह विज्ञान के छात्र पोषण सलाहकार, अनुसंधान सहायक, खाद्य वैज्ञानिक, खाद्य विश्लेषक तथा पारिवारिक सलाहकार के रूप में भी कार्य कर सकते हैं। खाद्य उत्पादों, शिशु आहार तथा खाद्य उत्पादों के विक्रय एवं संवर्धन के क्षेत्र में भी कॅरियर के विकल्प हैं। कुछ अन्य क्षेत्र जिनमें होम साइंस के विशेषज्ञ कॅरियर बना सकते हैं, वह इस प्रकार हैं-

केटरिंग के क्षेत्र में कॅरियर

गृह विज्ञान में स्नातक या स्नातकोत्तर करने के उपरांत केटरिंग के क्षेत्र में कॅरियर बनाया जा सकता है। केटरिंग का कार्य कुछ विशेष स्थानों जैसे स्कूल एवं अस्पतालों में किया जा सकता है। इनके अतिरिक्त विभिन्न प्रकार के संस्थानों एवं कार्यालयों में कैंटीन चलाने में भी यह पाठ्यक्रम बहुत लाभप्रद है। प्रशिक्षित व्यवसायी उन व्यक्तियों के लिए भी केटरिंग सेवाएँ जैसे भोजनालय या टिफिन सेंटर संचालित कर सकते हैं जो कारखानों एवं कार्यालयों में कार्य करते हैं तथा भोजन की, विशेष रूप से दोपहर के भोजन की व्यवस्था नहीं कर सकते या व्यवस्था करने का समय नहीं होता है।

बेकरी एवं कन्फेक्शनरी के क्षेत्र में कॅरियर

गृह विज्ञान स्नातक या स्नातकोत्तर व्यक्ति कन्फेक्शनरी, आइसक्रीम पार्लर अथवा बेकरी आसानी से चला सकते हैं। वे अपने निजी ऐसे उत्पादों को भी विकसित करने के लिए अभिनव कौशल का प्रयोग कर सकते हैं जो अधिक पोषक हों और पुराने उत्पादों से भिन्न हों।

डे केयर सेंटर के रूप में कॅरियर

नौकरी करने वाली महिलाओं को परिवार से बाहर शिशु देखरेख की आवश्यकता होती है। जिन बच्चों को 12 वर्ष की आयु का होने तक वयस्कों द्वारा देखरेख किए जाने की आवश्यकता होती है और जिन्हें घर पर अकेले नहीं छोड़ा जा सकता, उनके लिए गृह विज्ञान के विशेषज्ञ डे केयर सेन्टर, क्रेच, नर्सरी स्कूल एवं ऑफ्टर स्कूल सेंटर जैसी चाइल्ड हुड केयर यूनिट चला सकते हैं। इसके अलावा वृद्धाश्रम का भी संचालन किया जा सकता है।

पुनर्वास केन्द्र के रूप में कॅरियर

होम साइंस स्नातक कम समझ वाले बच्चों के लिए पुनर्वास केन्द्र संचालित कर सकते हैं। ये केन्द्र समाज के लिए न केवल एक सेवा होगी, बल्कि इनसे उनके तथा अन्य व्यक्तियों के लिए रोजगार सृजन में भी सहायता मिलेगी।

हॉबी सेंटर के रूप में कॅरियर

गृह विज्ञान के विशेषज्ञ ऐसे हॉबी सेंटर चला सकते हैं जहाँ सजावटी वस्तुएँ, खिलौने, डिजाइनर मोमबत्ती, रंगोली, आभूषण डिजाइनिंग, पेंटिंग तथा घरेलू बेकार सामग्रियों से उपयोगी वस्तुएँ बनाना सिखाया जाता है।

ब्यूटी पार्लर के रूप में कॅरियर

आप ब्यूटी पार्लर के क्षेत्र में भी कॅरियर बना सकते हैं। इस क्षेत्र में आप त्वचा तथा बालों की देखभाल संबंधी सेवाएँ दे सकते हैं।

वैश्वीकरण के वर्तमान दौर में होम साइंस एक अच्छा कॅरियर प्रदान करने वाला क्षेत्र है। इस क्षेत्र में आपका वेतन आपकी योग्यताओं तथा अनुभव पर निर्भर करेगा।

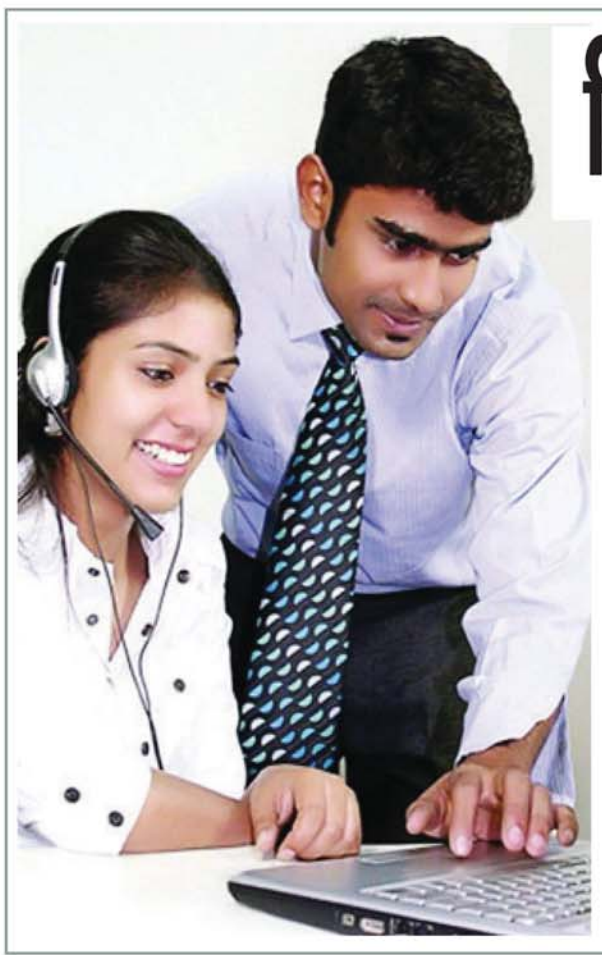

किस तरह क्वॉलिफाई कर सकते हैं सीसैट

युवाओं में सिविल सर्विसेज की प्रिलिम्स, यानी सीसैट (सिविल सर्विसेज एप्टिट्यूड टेस्ट) बहुत मायने रखती है। अगर आपमें पैशन है, तो आप इस परीक्षा में अपनी योग्यता दिखाकर अच्छे अंक पा सकते हैं। जानते हैं सी-सैट सहित सिविल सेवा परीक्षा से संबंधित कुछ सामान्य सवालों के जवाब।

सीसैट की तैयारी में कितना समय लगता है

सीसैट (प्रिलिम्स) में 2 ऑब्जेक्टिव टाइप सेक्शन होते हैं। पहला पेपर जनरल स्टडीज का और दूसरा पेपर एप्टीट्यूड टेस्ट का होता है। अगर उम्मीदवार प्रिलिम्स की तैयारी कर रहा है, तो उसे दोनों यानी जनरल स्टडीज पेपर 1 और जीएस मेन्स की तैयारी साथ में ही करनी चाहिए। जहां तक समय का सवाल है, तो प्रिलिम्स की तैयारी के लिए 6 से 8 महीने का समय लग जाता है। अगर उम्मीदवार सही तरीके से तैयारी करे, तो वह जीएस मेन्स का 60 से 70 प्रतिशत भाग कवर कर सकता है। इसके अलावा नोट्स बनाने भी बहुत जरूरी हैं। आपको सिलेक्शन पाने के लिए कुछ हटकर करना पड़ेगा।

सीसैट व मेन्स का जीएस पेपर क्या एक-दूसरे से किसी तरह संबंधित हैं?

शायद ही इन दोनों में कुछ कॉमन हो। फिर भी, अगर हम इसकी गहराई में जाएं, तो एक संबंध देख सकते हैं कि अगर किसी उम्मीदवार की जीएस बहुत अच्छी है, तो यह उसे रीडिंग काम्प्रिहेंशन सेक्शन में मदद कर सकती है, जिससे सीसैट में कम से कम 40 से 60 प्रतिशत प्रश्न पूछे जाते हैं।

सीसैट पेपर 1 और 2 के लिए विद्यार्थियों की क्या रणनीति होनी चाहिए?

पेपर 1 - इसके लिए सबसे जरूरी यह है कि उम्मीदवार एनसीईआरटी की पुस्तकों को बहुत अच्छे-से पढ़े। कक्षा 6 से 12 तक की हिस्ट्री, सिविक्स और जिओग्रॉफी को अच्छे से पढ़ें। कक्षा 9 से 12 तक की इकोनॉमिक्स का गहराई से अध्ययन करें और कक्षा 11 व 12 की सोशलॉजी पर फोकस करें। एनसीईआरटी बुक्स के साथ-साथ आपको एक अच्छा अखबार भी नियमित रूप से पढ़ना चाहिए। इसके अलावा वार्षिक बुक भी अच्छे से पढ़ें। आपको इकोनॉमिकल और पॉलिटिकल साप्ताहिक मैगजीन भी पढ़नी चाहिए।

पेपर 2 - इसके लिए आपको कक्षा 7 से 10 तक की मैथ्स पर बहुत अच्छा कमांड होना चाहिए। इसके अलावा रीजनिंग का बेसिक ज्ञान भी अच्छा होना चाहिए।

करंट अफेयर्स के तहत किस तरह के प्रश्न पूछे जाते हैं?

जहां तक प्रिलिम्स का सवाल है, कुछ साल पहले तक करंट अफेयर्स से काफी प्रश्न पूछे जाते थे, लेकिन पिछले 2-3 सालों से इन प्रश्नों में कुछ कमी आई है। एक बात का हमेशा ध्यान रखें कि सिविल सर्विसेज एग्जाम का कोई स्पष्ट ट्रैंड नहीं होता है। करंट अफेयर्स के प्रश्न सीसैट में नहीं पूछे जाते, बल्कि मेन्स में पूछे जाते हैं। इसीलिए उम्मीदवारों को अपने आसपास की घटनाओं से अपडेट रहना चाहिए।

सीसैट में एक सामान्य विद्यार्थी की सफलता की कितनी संभावना होती है?

2025 में लगभग 5 लाख उम्मीदवार इस परीक्षा के लिए बैठे थे, जिसमें 3.7 प्रतिशत ही सीसैट क्रैक कर पाए, जबकि करीब 80 प्रतिशत उम्मीदवार ऐसे भी थे, जो बहुत आश्वस्त थे अपने चयन को लेकर मगर वे प्रिलिम्स तक नहीं क्वॉलिफाई कर पाए। वास्तव में प्रतिस्पर्धा 20 प्रतिशत उम्मीदवारों के बीच ही थी। पिछले 5-6 साल से सक्सेस रेट 3-6 प्रतिशत रहा है। सीसैट कठिन तो है पर असंभव नहीं है। एक सामान्य विद्यार्थी भी कड़ी मेहनत करके सीसैट क्वॉलिफाई कर सकता है।

क्या सीसैट क्वॉलिफाई करने के लिए कोचिंग जरूरी है?

कोचिंग जरूरी तो नहीं है, फिर भी अगर आप कोई कोचिंग ज्वॉइन करना चाहते हैं, तो बहुत सोच-समझकर ऐसा करें और हो सके तो उसी से मार्गदर्शन लें, जिसने खुद यह परीक्षा दी हो। कारण यह कि कई कोचिंग संस्थानों में फैकल्टी अच्छी नहीं होती।

सीसैट में सफलता का मुख्य सूत्र क्या है?

सबसे जरूरी बात तो यह है कि उम्मीदवारों का कॉन्सेप्ट बिल्कुल स्पष्ट होना चाहिए। कॉन्सेप्ट क्लीयर हो, तो सी-सैट मुश्किल नहीं। सभी विषयों पर मेहनत करें। किसी विषय को नजरअंदाज न करें।

संक्षिप्त समाचार

काम का दबाव बनता जा रहा खामोश कातिलः प्रतिवर्ष हो रहीं 8.4 लाख मौतें

जिनेवा, एजेंसी। काम का बढ़ता दबाव अब केवल थकान का मुद्दा नहीं रहा, बल्कि यह वैश्विक स्तर

पर एक गंभीर स्वास्थ्य संकट बन चुका है। अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) की रिपोर्ट 'द साइकोसोशल वर्किंग एनवायरमेंट' के अनुसार काम से जुड़े मानसिक-सामाजिक जोखिम हर साल 8.4 लाख से अधिक लोगों की मौत का कारण बन रहे हैं। इन जोखिमों के चलते हर साल लगभग 4.5 करोड़ स्वस्थ जीवन वर्ष नष्ट हो रहे हैं। यह आंकड़ा डीएएलवाई यानी ऐसे वर्षों को दर्शाता है जो बीमारी, विकलांगता या समय से पहले मौत के कारण खो जाते हैं। रिपोर्ट में कहा गया कि लंबे काम के घंटे, नौकरी जाने का डर, कार्यस्थल पर उत्पीड़न व लगातार बना रहने वाला दबाव लोगों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर गहरा असर डाल रहे हैं। इन परिस्थितियों का सीधा संबंध दिल की बीमारियों, मानसिक विकारों और कई मामलों में आत्महत्या तक से पाया गया है। इस समस्या का प्रभाव केवल स्वास्थ्य तक सीमित नहीं है। आईएलओ के अनुसार काम की खराब परिस्थितियों से प्रतिवर्ष वैश्विक जीडीपी का 1.37 प्रतिशत नुकसान हो रहा है। रिपोर्ट के अनुसार कार्यस्थल पर बढ़ते तनाव की जड़ें तीन प्रमुख स्तरों में हैं। पहला, काम का स्वभाव, जहां अपेक्षाएं अधिक और संसाधन सीमित होते हैं। दूसरा, काम का प्रबंधन, जहां जिम्मेदारियां स्पष्ट नहीं होतीं। तीसरा संस्थागत नीतियां, जिनमें लंबे काम के घंटे, नौकरी की असुरक्षा, कम वेतन, डिजिटल निगरानी और उत्पीड़न जैसी स्थितियां शामिल हैं।

स्कूल अध्यापिका ने नाबालिग छात्र का किया यौन शोषण

मिशिगन, एजेंसी। अमेरिका में एक 27 साल की स्कूल टीचर को नाबालिग छात्र का यौन शोषण करने का दोषी पाए जाने के बाद 4 से 15 साल की सजा सुनाई गई है। दोषी अध्यापिका ने खुद नाबालिग छात्र का यौन शोषण करने की बात स्वीकार की थी। महिला टीचर ने स्वीकार किया कि नाबालिग छात्र को उसके घर पर ट्यूशन पढ़ाते समय उसका शोषण किया। मिशिगन के पोंटियाक की निवासी दोषी अध्यापिका जोसेलिन सेनरोमन को 28 अप्रैल को सजा सुनाई गई। सेनरोमन को बीते मार्च में अपराध का दोषी पाया गया था।

डोनाल्ड ट्रंप की चीन यात्रा से पहले दोनों देशों के मंत्रियों के बीच बातचीत

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की आगामी चीन यात्रा को लेकर दोनों देशों के बीच उच्च स्तरीय चर्चा शुरू हो गई है। गुरुवार को अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने चीनी उप-प्रधानमंत्री हे लिफेंग के साथ बातचीत की। यह बातचीत अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की 14 और 15 मई को चीन की प्रस्तावित यात्रा से पहले हुई। स्कॉट बेसेंट ने इस चर्चा को काफी स्पष्ट और विस्तृत बताया। उन्होंने चीन के उन व्यापारिक नियमों पर गहरी चिंता जताई जो अपनी सीमाओं से बाहर जाकर वैश्विक सप्लाई चेन को प्रभावित कर रहे हैं। बेसेंट ने कहा कि इन नियमों का दुनिया भर के व्यापार पर बुरा असर पड़ रहा है। हालांकि, उन्होंने राष्ट्रपति ट्रंप और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच होने वाली शिखर बैठक को लेकर सकारात्मक उम्मीदें भी जताईं। मार्को रुबियो और चीन के विदेश मंत्री ने की फोन पर बात इसी बीच, अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो और चीन के विदेश मंत्री वांग यी के बीच भी फोन पर बातचीत हुई। वांग यी ने इस बात पर जोर दिया कि दोनों देशों के राष्ट्रपतियों के बीच होने वाली बातचीत ही आपसी रिश्तों का आधार है। उन्होंने कहा कि शी जिनपिंग और डोनाल्ड ट्रंप के मार्गदर्शन में दोनों देशों के संबंध स्थिर रहे हैं। वांग यी ने आपसी सहयोग बढ़ाने और मतभेदों को सही तरीके से सुलझाने की अपील की।

ब्रिटेन के शाही परिवार के सम्मान में ट्रंप का एलान, स्कॉच व्हिस्की पर टैरिफ हटाने की घोषणा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ब्रिटेन के राजा चार्ल्स तृतीय और रानी कैमिला के अमेरिका के राजकीय दौरे के सम्मान में बड़ा एलान किया है। ट्रंप ने ब्रिटिश स्कॉच और व्हिस्की पर लगे टैरिफ और व्यापार प्रतिबंध को हटाने का एलान किया है। ट्रुथ सोशल पर साझा एक पोस्ट में उन्होंने कहा, 'यूनाइटेड किंगडम के राजा और रानी के सम्मान में, जो अभी अभी व्हाइट हाउस से रवाना हुए हैं और जल्द ही अपने शानदार देश लौट रहे हैं, मैं व्हिस्की पर लगे टैरिफ और प्रतिबंधों को हटा रहा हूं, जो स्कॉटलैंड और केंटकी राष्ट्रमंडल के बीच व्हिस्की और बॉर्बन की व्यापार क्षमता से संबंधित हैं। ये स्कॉटलैंड और केंटकी के दो बहुत महत्वपूर्ण उद्योग हैं।'

ट्रंप बोले- राजा और रानी ने मुझसे वो काम करवा दिया, जो कोई नहीं करा सका॥ ट्रंप ने लिखा, 'लोग लंबे समय से इसकी मांग कर रहे थे। राजा और रानी ने

मुझसे वह काम करवा दिया, जो कोई और नहीं कर सका और वह भी बिना पूछे। अमेरिका में उन दोनों का होना, मेरे लिए एक अद्भुत सम्मान की बात है।' अपने इस कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर भी कर दिए हैं। किंग चार्ल्स तृतीय और रानी कैमिला ने बुधवार को 9/11 स्मारक का दौरा कर आतंकी हमलों के पीड़ितों को श्रद्धांजलि अर्पित की। किंग चार्ल्स ने न्यूयॉर्क के मेयर जोहरान ममदानी और पूर्व मेयर माइकल ब्लूमबर्ग से भी मुलाकात की।

किंग चार्ल्स के अमेरिका दौरे से सुधर सकते हैं दोनों देशों के संबंध: पहले टैरिफ और अब ईरान युद्ध में शामिल होने से ब्रिटेन के इनकार के चलते अमेरिका और ब्रिटेन के संबंध तनावपूर्ण चल रहे हैं। ईरान युद्ध में साथ नहीं देने के लिए ट्रंप कई बार सार्वजनिक तौर पर ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर की तीखी आलोचना कर चुके हैं। अमेरिका के साथ ब्रिटेन के संबंध मजबूत करने के लिए ब्रिटिश शाही परिवार का इस्तेमाल ब्रिटेन की पुरानी रणनीति रही है। किंग चार्ल्स ने भी ओवल ऑफिस में ट्रंप से मुलाकात के दौरान अमेरिका और ब्रिटेन के बीच गहरे मजबूत संबंधों का हवाला दिया और दोनों देशों के गठबंधन को मानव इतिहास के सबसे बड़े गठबंधनों में से एक बताया।

ब्रिटेन में आतंकी हमले का खतरा बढ़ा

जांच एजेंसी ने यहूदी समुदाय को किया अलर्ट

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन में आतंकी खतरे का स्तर सब्स्टैंशल से बढ़ाकर सीवियर कर दिया गया है। इससे यह संकेत मिलता है कि देश में आतंकी हमला होने की संभावना अब काफी अधिक मानी जा रही है। यह फैसला उत्तर-पश्चिम लंदन के गोल्डर्स ग्रीन इलाके में हुए यहूदी विरोधी चाकूबाजी हमले के बाद सामने आया है। हालांकि ब्रिटेन की खुफिया एजेंसी से जुड़े संयुक्त आतंकवाद विश्लेषण केंद्र (छ्ङ्मञ्च) ने स्पष्ट किया है कि खतरे का स्तर बढ़ाने का निर्णय केवल इसी घटना के आधार पर नहीं लिया गया, बल्कि पिछले कुछ समय से देश में आतंकी खतरे में लगातार वृद्धि देखी जा रही थी। जेएटीसी के अनुसार, यह बढ़ता खतरा मुख्य रूप से इस्लामी कट्टरपंथ और चरम दक्षिणपंथी विचारधाराओं से प्रेरित छोटे समूहों और अकेले हमलावरों से जुड़ा हुआ है, जो देश के भीतर सक्रिय हैं।

गृह मंत्री ने सुरक्षा का दिया आश्वासन

ब्रिटेन की गृह मंत्री शबाना महमूद ने कहा कि सीवियर स्तर का मतलब है कि आतंकी हमला अत्यधिक संभावित है और यह स्थिति कई लोगों, खासकर यहूदी समुदाय के लिए चिंता का कारण बन सकती है। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार यहूदी समुदाय की सुरक्षा के लिए अतिरिक्त कदम उठा रही है, जिसमें सिनेगॉग, स्कूलों और सामुदायिक केंद्रों की सुरक्षा के लिए रिकॉर्ड स्तर पर फंडिंग और पुलिस व्यवस्था बढ़ाना शामिल है।

आतंकी खतरे का पांच स्तर

ब्रिटेन में आतंकी खतरे का स्तर पांच चरणों में तय किया जाता है, जिसमें सीवियर स्तर सबसे ऊंचे क्रिटिकल से ठीक एक स्तर नीचे है। क्रिटिकल का अर्थ होता है कि हमला निकट भविष्य में होने की आशंका है।

ऐसे में सरकार ने लोगों से अपील की है कि वे सतर्क रहें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें।

यह निर्णय उस हमले के बाद आया है जिसमें दो यहूदी पुरुषों एक 76 वर्षीय और दूसरा 34 वर्षीय को सड़क पर चाकू मार दिया गया। इस मामले में 45 वर्षीय सोमालिया मूल के एक ब्रिटिश नागरिक को मौके से गिरफ्तार किया गया है और वह फिलहाल पुलिस हिरासत में है।

हाल के महीनों में हुई ऐसी कई घटनाएं

हाल के महीनों में लंदन में यहूदी समुदाय को निशाना बनाकर कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं। 23 मार्च को गोल्डर्स ग्रीन में स्वयंसेवकों द्वारा संचालित चार एंबुलेंसों में आग लगा दी गई थी, जिससे धमाके भी हुए थे। इस मामले में तीन लोगों पर आरोप तय किए गए हैं। इसके अलावा, हाल ही में उसी इलाके में एक मेमोरियल वॉल को नुकसान पहुंचाने की कोशिश की गई, जिसकी जांच फिलहाल काउंटर-टेररिज्म पुलिस कर रही है। 21 अप्रैल को पुलिस ने यहूदी समुदाय को निशाना बनाकर आगजनी की साजिश रचने के आरोप में सात लोगों को गिरफ्तार किया था।

ट्रंप प्रशासन का दावा- ईरान में जंग 60 दिन की डेडलाइन से पहले खत्म; अब कांग्रेस की मंजूरी पर रार

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने ईरान के साथ जारी सैन्य संघर्ष को लेकर बड़ा दावा किया है। प्रशासन का कहना है कि अप्रैल की शुरुआत में लागू हुए युद्धविराम (सीजफायर) के बाद यह युद्ध समाप्त हो चुका है। इस दावे के साथ ही व्हाइट हाउस ने कांग्रेस से औपचारिक मंजूरी लेने की आवश्यकता से बचने की कोशिश की है। रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने सीनेट में गवाही देते हुए कहा कि सीजफायर के बाद युद्ध प्रभावी रूप से रुक गया है। प्रशासन का तर्क है कि 28 फरवरी से शुरू हुई सैन्य झड़पें अब समाप्त हो चुकी हैं क्योंकि 7 अप्रैल से दोनों देशों के बीच कोई गोलीबारी नहीं हुई है।

कानून क्या कहता है?: अमेरिका का वॉर पावर्स रेजोल्यूशन कहता है कि किसी भी सैन्य कार्रवाई को 60 दिनों से ज्यादा जारी रखने के लिए राष्ट्रपति को कांग्रेस की मंजूरी लेनी होती है। ट्रंप प्रशासन के पास

शुक्रवार तक की समयसीमा थी, लेकिन अब उनका दावा है कि युद्ध पहले ही खत्म हो चुका है, इसलिए मंजूरी की जरूरत नहीं है। हालांकि, इस कानून में 30 दिन का अतिरिक्त विस्तार भी संभव है, लेकिन इस पर भी बहस जारी है।

डेमोक्रेट्स और रिपब्लिकन में मतभेद डेमोक्रेट नेताओं ने इस दावे पर सवाल उठाए हैं और कहा है कि बिना कांग्रेस की मंजूरी के सैन्य कार्रवाई जारी रखना गलत है। वहीं, कुछ रिपब्लिकन सांसद भी अब स्पष्ट रणनीति और लक्ष्य की मांग कर रहे हैं। सीनेटर सुसान कॉलिन्स ने कहा 'यह समयसीमा कोई सुझाव नहीं, बल्कि अनिवार्य शर्त है। ईरान के खिलाफ आगे की कार्रवाई स्पष्ट रणनीति के साथ होनी चाहिए।'

भले ही सीजफायर लागू है, लेकिन जमीनी हालात अलग कहानी बताते हैं। ईरान अभी भी होर्मुज जलडमरूमध्य पर नियंत्रण बनाए हुए है, जबकि अमेरिकी नौसेना वहां नाकेबंदी कर रही है। ऐसे में तनाव पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है। राष्ट्रीय सुरक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि प्रशासन का यह तर्क कानूनी रूप से कमजोर है। विशेषज्ञ कैथरीन योन एब्राइट ने कहा कि 'कानून में कहीं भी यह नहीं लिखा है कि 60 दिन की समयसीमा को रोका या खत्म किया जा सकता है।'

पूर्व अधिकारी रिचर्ड गोल्डबर्ग ने सुझाव दिया है कि अमेरिका एक नई सैन्य कार्रवाई शुरू कर सकता है।

76 दिनों के बाद अमेरिका में सरकारी शटडाउन खत्म, डीएचएस के लिए फंडिंग बिल पारित

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में 76 दिनों से चला आ रहा सरकारी शटडाउन आखिरकार समाप्त हो गया है। यह इतिहास का सबसे लंबा सरकारी शटडाउन बताया जा रहा है। अमेरिकी सदन ने गुरुवार को डिपार्टमेंट ऑफ होमलैंड सिक्योरिटी (डीएचएस) के अधिकांश हिस्सों के लिए धन मुहैया कराने वाले एक विधेयक को सर्वसम्मति से मंजूरी दे दी, जिससे विभिन्न एजेंसियों को प्रभावित करने वाले इस लंबे गतिरोध का औपचारिक रूप से अंत हो गया है।

डीएचएस के सुरक्षा सचिव मार्कवेन मुलिन ने सोशल मीडिया पर घोषणा की कि डीएचएस फिर से खुल गया है। उन्होंने बताया कि आव्रजन और सीमा प्रवर्तन (आईसीई) और सीमा गश्ती (सीबीपी) जैसी एजेंसियों के लिए धन की व्यवस्था सुलह प्रक्रिया के माध्यम से की जाएगी, जिसमें डेमोक्रेट वोटों की आवश्यकता नहीं पड़ी।

डेमोक्रेट्स सांसदों पर फोड़ा शटडाउन का ठीकरा

मुलिन ने इस शटडाउन के लिए डेमोक्रेट्स को जिम्मेदार ठहराया और उन संघीय कर्मचारियों को धन्यवाद दिया जिन्होंने बिना वेतन की गारंटी के देश की सेवा जारी रखी। उन्होंने राष्ट्रपति ट्रंप और ष्ठ॥स् नेतृत्व की ओर से इस लड़ाई में उनके साथ होने के लिए आभार व्यक्त किया।

अमेरिका में शटडाउन का क्या हुआ असर?

यह विधेयक अब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हस्ताक्षर के लिए भेजा गया है। यह शटडाउन 14 फरवरी को शुरू हुआ था और अमेरिका के इतिहास में सबसे लंबा आंशिक सरकारी शटडाउन बन गया था। हालांकि आईसीई और सीमा गश्ती जैसे कुछ विभाग पहले से मिले वित्तपोषण के कारण काफी हद तक प्रभावित नहीं हुए थे, लेकिन तटरक्षक बल (कोस्ट गार्ड), परिवहन सुरक्षा प्रशासन (टीएसए) और संघीय आपातकालीन प्रबंधन एजेंसी (फेमा) जैसी अन्य महत्वपूर्ण एजेंसियों को गंभीर परिचालन चुनौतियों का सामना करना पड़ा। सदन के अध्यक्ष माइक जॉनसन ने बताया कि विधायी रणनीति में दो-तरफा दृष्टिकोण अपनाया गया था। उन्होंने कहा कि उन्होंने गृहभूमि सुरक्षा विधेयक को इसलिए रोका क्योंकि वे यह सुनिश्चित करना चाहते थे कि दो महत्वपूर्ण एजेंसियों को अलग या समाप्त न किया जा सके। एक बार जब धन की व्यवस्था सुरक्षित हो गई, तो विधायक अतिरिक्त कानून बनाने की दिशा में आगे बढ़ सके।

हफ्तों बाद निकला समाधान

'भड़काऊ' बताया और लंबे समय तक धन की कमी को 'अविश्वसनीय रूप से निराशाजनक' करार दिया। यह समाधान हफ्तों के राजनीतिक गतिरोध के बाद आया है, जिसमें रिपब्लिकन और डेमोक्रेट अप्रवासन प्रवर्तन एजेंसियों और ष्ठ॥स् के व्यापक संचालन से संबंधित धन प्राथमिकताओं को लेकर बंटे हुए थे। आने वाले हफ्तों में अतिरिक्त धन उपायों को अंतिम रूप देने के लिए सुलह प्रक्रिया का उपयोग किए जाने की उम्मीद है।

हमले से पहले की रेकी भी कैमरे में कैद

व्हाइट हाउस का सुरक्षा घेरा तोड़कर घुसा हमलावर! डिनर के समय फायरिंग की नई वीडियो में क्या?

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में 25 अप्रैल को हुए हाई-प्रोफाइल हमले का वीडियो अब सामने आया है। इस घटना की सिक्योरिटी फुटेज अमेरिकी अटॉर्नी जीनिन फेरिस पिरो ने सार्वजनिक की, जिसमें आरोपी की पूरी गतिविधि साफ दिखाई देती है।

वीडियो के मुताबिक, 31 वर्षीय कोल टॉमस एलन वाशिंगटन हिल्टन होटल में आयोजित व्हाइट हाउस कॉरेस्पॉन्डेंट्स एसोसिएशन डिनर के दौरान सुरक्षा चेकपॉइंट को पार कर अंदर घुसता है और कथित तौर पर एक सीक्रेट सर्विस एजेंट पर बेहद करीब से गोली चला देता है। एजेंट को सीने में गोली लगी, लेकिन बुलेटप्रूफ जैकेट की वजह से उसकी जान बच गई। घटना के समय अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी कार्यक्रम में मौजूद थे। गोलीबारी होते ही उन्हें तुरंत सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया। बाद में ट्रंप और सीक्रेट सर्विस प्रमुख ने स्पष्ट किया कि घायल एजेंट फ्रेंडली फायर का शिकार नहीं हुआ था। जांच एजेंसियों ने एक और वीडियो जारी किया है, जिसमें आरोपी को हमले से एक

दिन पहले यानी 24 अप्रैल को होटल के अलग-अलग हिस्सों, हॉलवे और जिम एरिया में घूमते देखा गया। इससे साफ है कि उसने पहले से योजना बनाकर रेकी की थी।

जांच में सामने आया है कि एलन अपने साथ 12-बोर पंप-एक्शन शॉटगन और तीन चाकू लेकर आया था। उसने कैलिफोर्निया के टॉरेंस से ट्रेन के जरिए वॉशिंगटन तक यात्रा की और होटल में कमरा भी बुक किया था। अमेरिकी न्याय विभाग ने एलन पर राष्ट्रपति की हत्या की कोशिश सहित कई संघीय आरोप लगाए हैं। दोषी पाए जाने पर उसे उम्रकैद की सजा हो सकती है।

साथ ही, अवैध रूप से हथियार ले जाने और हिंसक अपराध में गोली चलाने के आरोप भी जोड़े गए हैं। अदालत में पेशी के दौरान एलन ने आरोपों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी, लेकिन उसने खुद को कंप्यूटर साइंस में मास्टर डिग्री धारक बताया। अभियोजक जोसेलिन बैलांटाइन ने कहा कि आरोपी ने अमेरिका के राष्ट्रपति की हत्या की कोशिश की। परिवार को संदेश भेजकर खुद को दोस्ताना संघीय हत्यारा बताया था और ट्रंप प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों को निशाना बनाने की योजना का जिक्र किया था। अधिकारियों को शक है कि राष्ट्रपति भी उसके संभावित टारगेट में शामिल थे।

जेपी मॉर्गन की वरिष्ठ अधिकारी पर यौन शोषण और नस्लीय उत्पीड़न के गंभीर आरोप, कोर्ट में मामला दर्ज

न्यूयॉर्क, एजेंसी। दुनिया के बड़े बैंकिंग समूह जेपी मॉर्गन चेस एक बार फिर विवादों में घिर गया है। कंपनी की एक वरिष्ठ अधिकारी पर उनके पूर्व सहयोगी ने यौन शोषण, नस्लीय उत्पीड़न और धमकी देने जैसे गंभीर आरोप लगाए हैं। यह मामला न्यूयॉर्क की सुप्रीम कोर्ट में दर्ज किया गया है। मामले में आरोपी के रूप में 37 वर्षीय कार्यकारी निदेशक लोर्ना हजदिनी का नाम शामिल है। शिकायतकर्ता, जो बैंक की लीवरेज्ड फाइनेंस डिवीजन में काम करता था, ने आरोप लगाया है कि उसे महीनों तक मानसिक प्रताड़ना, यौन शोषण और नस्लीय टिप्पणियों का सामना करना पड़ा। अदालत में दायर याचिका के अनुसार, आरोप है कि अधिकारी ने अपने पद का दुरुपयोग करते हुए शिकायतकर्ता पर निजी और पेशेवर दबाव बनाया। आरोप में यह भी कहा गया है कि उसे प्रमोशन और करियर ग्रोथ के नाम पर कई बार अनुचित मांगों का सामना करना पड़ा। शिकायत में दावा किया गया है कि पीड़ित को नस्लीय अपमान और अपमानजनक शब्दों का सामना करना पड़ा। साथ ही यह भी आरोप है कि विरोध करने पर उसे करियर खत्म करने और नौकरी से निकालने की धमकियां दी गईं।

नौकरी और प्रमोशन को लेकर दबाव का आरोप: पीड़ित का कहना है कि बार-बार इनकार करने के बावजूद उसे मानसिक दबाव में रखा गया और प्रमोशन को लेकर शर्तें रखी गईं। बाद में उसने बैंक छोड़कर अन्य नौकरी तलाशने की कोशिश की, लेकिन कथित तौर पर उसे नकारात्मक रेफरेंस का सामना करना पड़ा।जेपी मॉर्गन ने इन सभी आरोपों को खारिज करते हुए कहा है कि आंतरिक जांच में इन दावों के समर्थन में कोई सबूत नहीं मिला है। कंपनी के अनुसार, कई कर्मचारियों ने जांच में सहयोग किया, लेकिन शिकायतकर्ता ने पर्याप्त जानकारी साझा नहीं की। मुकदमे में पीड़ित ने मानसिक तनाव, आर्थिक नुकसान, प्रतिष्ठा को नुकसान और दंडात्मक मुआवजे की मांग की है।

वॉशिंगटन के स्कूल में चाकूबाजी, छात्र और सुरक्षा गार्ड समेत छह लोग घायल

पुलिस ने हमलावर को किया गिरफ्तार

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के वॉशिंगटन राज्य में स्थित टैकोमा के एक हाई स्कूल में चाकूबाजी की बड़ी घटना हुई है। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि इस हमले में चार छात्र और एक वयस्क सुरक्षा गार्ड घायल हो गए हैं। हमला करने वाला संदिग्ध भी उसी स्कूल का एक छात्र है। पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया है।

टैकोमा पुलिस विभाग की प्रवक्ता शेल्बी बॉयड ने जानकारी दी कि हमलावर छात्र भी इस घटना में घायल हुआ है। सभी घायलों को तुरंत इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया है। टैकोमा फायर विभाग को दोपहर करीब 1 बजकर 38 मिनट पर फॉस हाई स्कूल में चाकूबाजी की सूचना मिली थी। प्रवक्ता चेल्सी शेफर्ड ने बताया कि बचाव दल ने मौके पर पहुंचकर पांच लोगों का इलाज किया और उन्हें स्थानीय अस्पतालों में पहुंचाया।

अस्पताल ले जाए गए लोगों में से चार की हालत शुरुआत में काफी गंभीर थी। एक व्यक्ति को मामूली चोटें आई थीं। छठा घायल व्यक्ति हमलावर छात्र है, जिसे पुलिस ने अपनी निगरानी में अस्पताल पहुंचाया। उसे भी मामूली चोटें लगी हैं। राहत की बात यह है कि देर शाम तक सभी

घायलों की स्थिति स्थिर बताई गई है। हालांकि, अधिकारियों ने अभी तक चोटों के प्रकार के बारे में कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी है।

घटना के तुरंत बाद स्कूल प्रशासन ने सुरक्षा बढ़ा दी और पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि स्कूल अब पूरी तरह सुरक्षित है। माता-पिता को अपने बच्चों को ले जाने के लिए स्कूल के पार्किंग क्षेत्र में बुलाया गया। वहां बच्चों और अभिभावकों को मिलाने के लिए एक विशेष क्षेत्र बनाया गया था।

टैकोमा पब्लिक स्कूल ने एक ईमेल बयान में बताया कि दोपहर 1 बजकर 38 मिनट पर स्कूल को लॉकडाउन कर दिया गया था। इसके बाद दोपहर 2 बजकर 45 मिनट पर सभी छात्रों को सुरक्षित तरीके से घर भेज दिया गया। स्कूल प्रशासन ने शुक्रवार की सभी कक्षाओं और स्कूल के बाद होने वाली गतिविधियों को रद्द कर दिया है। अब स्कूल सोमवार को खुलेगा। छात्रों और कर्मचारियों को मानसिक सहयोग देने के लिए सोमवार को स्कूल में काउंसलर मौजूद रहेंगे। जिला प्रशासन ने कर्मचारियों और बचाव दल की त्वरित और शांत कार्रवाई की सराहना की है।

ब्रीफ न्यूज

रवींद्र जडेजा और कुलदीप यादव की मैदान पर दोस्ताना बल्लेबाज़ी

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के लिए खेलने वाले खिलाड़ी इंडियन प्रीमियर लीग में अक्सर अपनी-अपनी टीमों की तरफ से एक-दूसरे के खिलाफ मैदान पर उतरते हैं, और ऐसे में वे अक्सर एक-दूसरे के साथ मस्ती-मज़ाक करने का मौका तलाशते रहते हैं। शुक्रवार को राजस्थान रॉयल्स और दिल्ली कैपिटल्स के बीच हुए मैच के दौरान भी कुछ ऐसा ही देखने को मिला, जब रवींद्र जडेजा ने कुलदीप यादव के सामने अपना बल्ला चलाकर उनको डरा दिया, हालांकि यह महज़ एक दोस्ताना मज़ाक था जिसने मैदान पर एक हल्का-फुल्का माहौल बना दिया। यह घटना तब हुई जब दिल्ली के खिलाफ जडेजा मैदान में आए। अंपायरों ने उनके बल्ले की जांच की, जो आईपीएल के हर मैच से पहले की एक सामान्य प्रक्रिया है। बल्ले की जांच से पहले, जडेजा ने कुलदीप यादव की तरफ़ इशारा करते हुए तेज़ी से बल्ला चलाया, इसे देखकर ऐसा लगा मानो गेंदबाज़ बाल-बाल बचे हों। हालांकि, वीडियो क्लिप देखने से यह स्पष्ट था कि जडेजा और कुलदीप के बल्ले के बीच काफ़ी दूरी थी और यह केवल एक शरारती इशारा था।

आईपीएल 2026: पंजाब किंग्स और गुजरात टाइटंस के बीच रोमांचक मुकाबला

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 का एक और रोमांचक मुकाबला अहमदाबाद में होने जा रहा है, जहाँ पंजाब किंग्स और गुजरात टाइटंस आमने-सामने होंगी। शाम 7:30 बजे शुरू होने वाले इस मैच में, जहाँ पंजाब किंग्स अपनी पिछली हार से उबरकर वापसी करना चाहेगी, वहीं गुजरात टाइटंस लगातार तीसरी जीत दर्ज कर अपने अभियान को गति देने के इरादे से मैदान में उतरेगी। यह मुक़ाबला दोनों ही टीमों के लिए अपनी स्थिति को मजबूत करने के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण है।

एशियन गेम्स और वर्ल्ड चैंपियनशिप की तैयारियों में लगी हैं मनु

नई दिल्ली। ओलंपिक पदक विजेता महिला निशानेबाज मनु आजकल एशियन गेम्स और वर्ल्ड चैंपियनशिप की तैयारियों में लगी हैं। मनु का लक्ष्य इन टूर्नामेंटों में बेहतर प्रदर्शन कर पेरिस ओलंपिक क्वालिफिकेशन चक्र के लिए अपनी दावेदारी पक्की करना है। मनु का कहना है कि अभी उनका ध्यान अपना फॉर्म बनाये रखते हुए बेहतर प्रदर्शन करने पर है। मनु ने दृढ़ता से कहा, इस साल एशियन गेम्स और वर्ल्ड चैंपियनशिप जैसे महत्वपूर्ण टूर्नामेंट्स हमारे सामने हैं, और हम इन दोनों बड़ी प्रतियोगिताओं के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। उन्होंने बताया कि उन्होंने अपने कोच के साथ बैठकें की हैं और आगामी टूर्नामेंट्स तथा अपनी तैयारी की एक संपूर्ण और सुनियोजित रूपरेखा तैयार कर ली है। इससे ये साफ है कि उनकी रणनीति केवल तात्कालिक सफलता पर नहीं, बल्कि एक लंबी अवधि की योजना का हिस्सा है।

आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ मुकाबलों में नहीं खेल पायेंगे सैंटनर

ऑकलैंड। न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम को अगले महीने आयरलैंड के खिलाफ होने वाले एकमात्र मैच से पहले एक करार झटका लगा है। टीम के कप्तान मिशेल सैंटनर चोटिल होने के कारण इस मैच में नहीं खेलेंगे। सैंटनर इस मैच के अलावा इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज के पहले टेस्ट में नहीं खेलेंगे। सैंटनर को आईपीएल में फील्डिंग के दौरान लगी कंधे में चोट लग गयी है। इसी कारण वह अगले एक महीने तक खेल से दूर रहेंगे। ।

आकाश टाइगर्स ने 10 लाख में खरीदा, -19 में तिहरा शतक लगाया

मुंबई महिला लीग ऑक्शन- इरा जाधव सबसे महंगी खिलाड़ी

मुंबई। 16 साल की इरा जाधव पहली मुंबई महिला लीग नीलामी की सबसे महंगी खिलाड़ी बन गई हैं। उन्हें शनिवार को आकाश टाइगर्स ने 10 लाख रुपए में खरीदा। इरा ने पिछले साल अंडर-19 क्रिकेट में तिहरा शतक लगाया था। उन्हें आक्रामक बल्लेबाजी के लिए जाना जाता है।

मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन की ऑक्शन में कुल 363 विमेंस प्लेयर्स पर बोली लगी। इनमें से 50 खिलाड़ियों को तीन फ्रेंचाइजी ने अपनी टीम में शामिल किया। फ्रेंचाइजी ने कुल 1.47 करोड़ रुपए खर्च किए। लीग में शामिल होने वाली तीन टीमें- सोबो मुंबई फाल्कन्स, ठाणे स्काई राइजर्स और आकाश टाइगर्स हैं।

जगमोहन डालमिया ट्रॉफी जीत चुकी हैं इरा

इरा जाधव का हालिया प्रदर्शन शानदार रहा है। उन्हें 'नमन अवॉर्ड्स 2026' में बेस्ट घरेलू क्रिकेटर के लिए जगमोहन डालमिया ट्रॉफी से सम्मानित किया गया था। सिर्फ 14 साल की उम्र में उन्होंने विमेंस प्रीमियर लीग के लिए रजिस्ट्रेशन कराया था। अब वे इस लीग में प्रदर्शन करके डब्ल्यूपीएल के अगले सीजन के लिए दावा मजबूत करना चाहती हैं।

सयाली, साइमा और हुमैरा बनीं 'आइकन प्लेयर'

एमसीए ने लीग के पहले सीजन के लिए तीन अनुभवी खिलाड़ियों को 'आइकन प्लेयर' के तौर पर चुना है। भारतीय टीम का हिस्सा रह चुकीं सयाली सतघरे 'सोबो मुंबई फाल्कन्स' की आइकन होंगी, जबकि साइमा ठाकुर 'ठाणे स्काई राइजर्स' और हुमैरा काजी 'आकाश टाइगर्स' का प्रतिनिधित्व करेंगी। इन खिलाड़ियों का अंतरराष्ट्रीय और घरेलू अनुभव लीग के स्तर को और ऊंचा ले जाएगा।

नाइक बोले- यह मुंबई क्रिकेट के लिए ऐतिहासिक शुरुआत

एमसीए अध्यक्ष अजिंक्य नाइक ने कहा कि यह लीग भारत में महिला क्रिकेट के विकास में मील का पत्थर साबित होगी। नीलामी के लिए कुल 2,411 खिलाड़ियों ने पंजीकरण कराया था, जिनमें से अंतिम छंटनी के बाद पुरुष और महिला खिलाड़ियों की नीलामी एक साथ आयोजित की गई। जल्द ही शुरू होने वाली इस लीग से मुंबई के फैंस को रोमांचक क्रिकेट देखने की उम्मीद है।

महिला टी20 मुंबई लीग

सीजन 1 की सबसे महंगी प्लेयर्स

खिलाड़ी	टीम	कीमत
इरा जाधव	आकाश टाइगर्स	₹ 10.00 लाख
सिमरन शेख	मुंबई फाल्कन्स	₹ 7.00 लाख
वृषाली भगत	ठाणे स्कायराइजर्स	₹ 6.00 लाख
सानिका चालके	आकाश टाइगर्स	₹ 5.50 लाख
रिया चौधरी	मुंबई फाल्कन्स	₹ 5.50 लाख

चेन्नई ने मुंबई को सीजन में दूसरी बार हराय

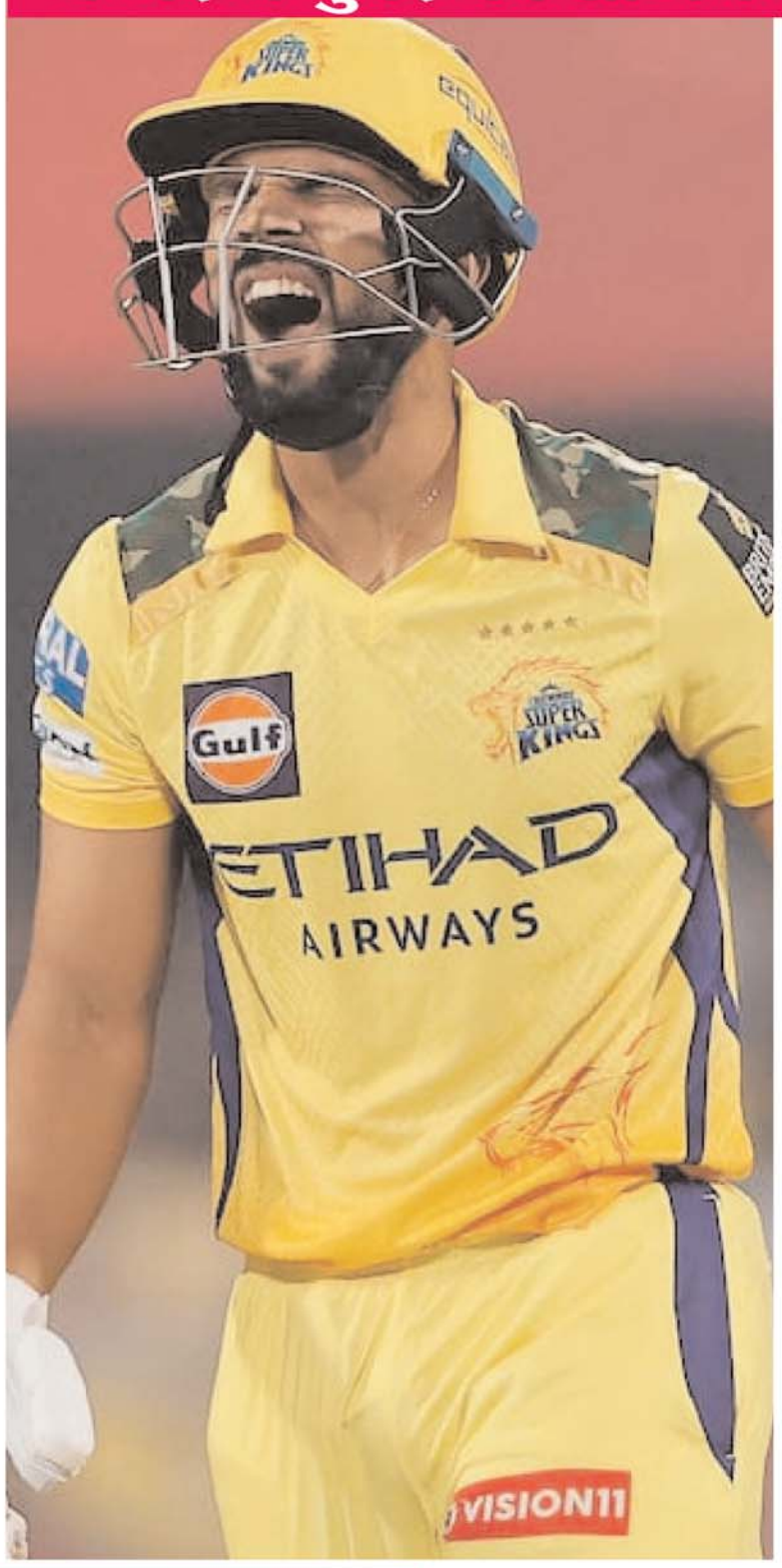

कप्तान गायकवाड और कार्तिक शर्मा ने फिफ्टी लगाई, अंशुल कम्बोज को 3 विकेट

चेन्नई। चेन्नई सुपर किंग्स ने आईपीएल में शनिवार को मुंबई इंडियंस पर 8 विकेट की जीत हासिल की है। टीम ने मुंबई को सीजन में दूसरी बार हराया है। सुपर किंग्स ने 23 अप्रैल को मुंबई में खेले गए मैच में 103 रन से हराया था।

चेपॉक स्टेडियम में मुंबई ने टॉस जीतकर बैटिंग चुनी और 20 ओवर में 7 विकेट पर 159 रन बनाए। जवाब में चेन्नई ने 18.1 ओवर में 2 विकेट पर टारगेट चेज कर लिया। कार्तिक शर्मा ने ट्रेंट बोल्ट की पहली बॉल पर चौका लगाकर जीत दिलाई। मैच का स्कोरबोर्ड गायकवाड और कार्तिक ने अर्धशतक लगाए 160 रन का टारगेट चेज कर रही चेन्नई की टीम ने 13 रन पर संजू सैमसन का विकेट गंवा दिया था। यहां से कप्तान ऋतुराज गायकवाड ने उर्विल पटेल के साथ 49 रन और कार्तिक शर्मा के साथ नाबाद 98 रन की साझेदारी करके जीत दिला दी। उन्होंने 48 बॉल पर नाबाद 67 रन की पारी खेली। जबकि कार्तिक शर्मा ने 40 बॉल पर नाबाद 54 रन बनाए।चेन्नई ने जीता मुकाबला

चेन्नई सुपर किंग्स ने मुंबई इंडियंस को आठ विकेट से हरा दिया।

ऋतुराज का अर्धशतक

चेन्नई के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ ने 34 गेंदों में शानदार अर्धशतक पूरा किया। वह कार्तिक शर्मा के साथ 50 से ज्यादा रनों की साझेदारी निभा चुके हैं। 14 ओवर के बाद स्कोर दो विकेट पर 122 रन है।

पावरप्ले समाप्त हुआ

पावरप्ले समाप्त हो चुका है और चेन्नई ने दो विकेट पर 62 रन बना लिए हैं। फिलहाल क्रीज पर ऋतुराज और कार्तिक शर्मा मौजूद हैं। इससे पहले टीम ने सैमसन (11) और उर्विल पटेल (24) का विकेट गंवाया।

13 पर चेन्नई को पहला झटका

चेन्नई को पहला झटका बुमराह ने दिया। उन्होंने रिकेल्टन के हाथों सैमसन को कैच कराया। वह सिर्फ 11 रन बना पाए। अब ऋतुराज का साथ देने उर्विल पटेल आए हैं।

मुक्केबाजी के लिए उत्तराखंड के 6 खिलाड़ी ताशकंद रवाना

देहरादून। उज्बेकिस्तान के ताशकंद में 1 से 16 मई तक होने वाली अंडर-15 अंतरराष्ट्रीय सब-जूनियर बालक एवं बालिका मुक्केबाजी चैंपियनशिप में उत्तराखंड का दबदबा देखने को मिलेगा। इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता के लिए भारतीय टीम में उत्तराखंड के 6 सदस्यों को शामिल किया गया है। राज्य के मुक्केबाजी इतिहास में यह पहली बार है जब इतनी बड़ी संख्या में दल के सदस्य अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। उत्तराखंड बॉक्सिंग संघ के मानद महासचिव ने बताया कि इस चैंपियनशिप में राज्य के दो मुक्केबाज रिंग में उतरेंगे, जबकि चार अन्य सदस्य कोच और रेफरी के रूप में अपनी सेवाएं देंगे।

रिंग में उतरेंगे समीर और हर्षवर्धन

प्रतियोगिता में 43 किलो भार वर्ग में समीर बोरा और 55 किलो भार वर्ग में हर्षवर्धन जीना भारत की ओर से अपने मुक्कों का दम दिखाएंगे। जबकि पूजा यादव को बालिका टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया गया है। वहीं, नितिन देऊपा बालक टीम के कोच की भूमिका निभाएंगे।

हैदराबाद में महामुकाबला: एक तरफ सनराइजर्स का विजय रथ, दूसरी ओर केकेआर की वापसी की चुनौती

नईदिल्ली । आईपीएल 2026 में एक रोमांचक मुकाबले के लिए हैदराबाद का राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम तैयार है, जहां सनराइजर्स हैदराबाद का सामना कोलकाता नाइट राइडर्स से होगा। यह मुकाबला भारतीय समयानुसार दोपहर 3:30 बजे शुरू होगा, और फैंस को एक हाई-ऑक्टेन मैच की उम्मीद है। एक ओर जहां सनराइजर्स अपनी शानदार फॉर्म और लगातार जीत के सिलसिले को बरकरार रखने के इरादे से मैदान में उतरेगी, वहीं कोलकाता नाइट राइडर्स टीम इस सीज़न में अपनी लय खोजने और अंक तालिका में ऊपर चढ़ने के लिए संघर्ष करती नज़र आएगी। सनराइजर्स हैदराबाद इस समय टूर्नामेंट की सबसे खतरनाक टीमों में से एक लग रही है। वे लगातार पांच मैच जीत चुकी है और नौ मैचों में छह जीत तथा बारह अंकों के साथ अंक तालिका में तीसरे स्थान पर काबिज है। टीम की सबसे बड़ी ताकत उसकी बल्लेबाजी है, जिसने लगातार बड़े स्कोर खड़े किए हैं और उन्हें खिताब का प्रबल दावेदार बना दिया है। अभिषेक शर्मा, हेनरिक क्लासेन, ईशान किशन और ट्रैविस हेड जैसे बल्लेबाज प्रचंड फॉर्म में हैं।

इटली में 2026 इटली ओपन टेनिस टूर्नामेंट से पहले एक ट्रेनिंग सेशन में हिस्सा लेती चीन की झेंग किनवेन।

विश्वकप के लिए भारतीय टीम घोषित, हरलीन देओल को नहीं मिला मौका; फुलमाली और नंदिनी शामिल

मुंबई। अगले महीने से शुरू होने वाले महिला टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम का एलान हो गया है। भारतीय टीम ग्रुप-1 में शामिल है और वह टूर्नामेंट में अपने अभियान की शुरुआत 14 जून को पाकिस्तान के खिलाफ करेगी। भारत ने कभी भी टी20 विश्व कप का खिताब अपने नाम नहीं किया है। आइए देखते हैं टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम...

टी20 विश्व कप के लिए शनिवार को भारतीय महिला टीम घोषित हो गई। मुंबई स्थित भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के मुख्यालय में चयन समिति की बैठक के बाद टीम का एलान कर दिया गया। भारतीय टीम इस वैश्विक टूर्नामेंट में हरमनप्रीत कौर की अगुआई में खेलने उतरेगी। भारत ने पिछले साल वनडे विश्व कप का खिताब अपने नाम किया था और अब टीम की नजरें अपने पहले टी20 विश्व कप खिताब पर होंगी। महिला टी20 विश्व कप 12 जून से पांच जुलाई तक इंग्लैंड और वेल्स में खेला जाएगा। टीम में क्या खास?

टी20 विश्व कप के लिए चुने गए स्क्वॉड में अनकैप्ड नंदिनी शर्मा और विकेटकीपर-बल्लेबाज यास्तिका भाटिया को शामिल किया गया है। प्रतिका रावल को टीम से बाहर कर दिया गया जबकि ऑलराउंडर अमनजोत कौर चोट के कारण टीम में जगह नहीं बना पाई। नंदिनी मध्यम गति की गेंदबाज हैं जिन्होंने महिला प्रीमियर लीग में दिल्ली कैपिटल्स के लिए 10 मैच खेलकर कुल 17 विकेट लिए। वह उस भारतीय टीम का भी हिस्सा थीं जिसने इस साल फरवरी में बैंकॉक में आयोजित महिला एशिया कप राइजिंग स्टार्स टूर्नामेंट में हिस्सा लिया था। विश्व कप से पहले इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज खेलेगी टीम इंडिया टी20 विश्व कप से पहले टीम इंडिया हरमनप्रीत कौर की अगुवाई में इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज खेलेगी। इस सीरीज की शुरुआत 28 मई को होगी।

14 जून को भारत-पाकिस्तान महामुकाबला

भारत और पाकिस्तान के बीच ग्रुप चरण का मुकाबला 14 जून को एजबेस्टन में खेला जाएगा। इस हाई-वोल्टेज मैच पर दुनियाभर के क्रिकेट प्रशंसकों की नजरें रहेंगी। इसके अलावा ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका जैसे मजबूत प्रतिद्वंद्वियों के साथ भारत के मुकाबले भी रोमांचक रहने वाले हैं।

भारत-इंग्लैंड के बीच टेस्ट मैच के लिए टीम घोषित

टी20 विश्व कप के अलावा इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले एकमात्र टेस्ट मैच के लिए भी टीम का एलान किया गया है। इसमें प्रतिका रावल को मौका मिला है। यह मुकाबला 10 से 13 जुलाई के बीट लॉर्ड्स के मैदान पर खेला जाएगा। टेस्ट मुकाबले के लिए भारतीय टीम इस प्रकार है

हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उप-कप्तान), शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, प्रतिका रावल, ऋचा घोष, श्री चरणी, यास्तिका भाटिया, नंदिनी शर्मा, हरलीन देओल, रेणुका सिंह, क्रांति गौड़, सयाली सतघरे, स्नेह राणा।

भारत-पाकिस्तान एक ही ग्रुप में

टी20 विश्व कप के लिए 12 टीमों को छह-छह के दो ग्रुप में बांटा गया है। भारतीय टीम ग्रुप-1 में शामिल है। ग्रुप-1 को 'ग्रुप ऑफ डेथ' माना जा रहा है, जहां मौजूदा दिग्गज टीमों के साथ भारत-पाकिस्तान की पारंपरिक प्रतिद्वंद्विता भी देखने को मिलेगी।

ग्रुप 1: ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका, भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश, नीदरलैंड।

ग्रुप 2: वेस्टइंडीज, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड, श्रीलंका, आयरलैंड, स्कॉटलैंड।

विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप 2026

भारत के मैचों का शेड्यूल

तारीख	मुकाबला	वेन्यू	समय (IST)
14 जून	भारत Vs पाकिस्तान	एजबेस्टन	शाम 7:00 बजे
17 जून	भारत Vs नीदरलैंड	हेडिंग्ले	शाम 7:00 बजे
21 जून	भारत Vs सा. अफ्रीका	ओल्ड ट्रैफर्ड	शाम 7:00 बजे
25 जून	भारत Vs बांग्लादेश	ओल्ड ट्रैफर्ड	शाम 7:00 बजे
28 जून	ऑस्ट्रेलिया Vs भारत	लॉर्ड्स	शाम 7:00 बजे

राष्ट्रीय एलाइड एंड हेल्थ केयर प्रोफेशनल्स एसोसिएशन (NAHPA) में छत्तीसगढ़ को मिला मजबूत प्रतिनिधित्व, प्रीत लाल कुर्रे बने स्टेट मीडिया इंचार्ज

रायपुर/लखनऊ/मूक पत्रिका

स्वास्थ्य एवं पैरामेडिकल क्षेत्र से जुड़े पेशेवरों के लिए कार्यरत राष्ट्रीय स्तर की संस्था नेशनल एलाइड एंड हेल्थ केयर प्रोफेशनल्स एसोसिएशन (ह्वाक्क) में छत्तीसगढ़ को महत्वपूर्ण प्रतिनिधित्व मिला है। संस्था द्वारा जारी आधिकारिक सदस्यता कार्ड के अनुसार छत्तीसगढ़ के सक्रिय समाजसेवी और मीडिया क्षेत्र से जुड़े प्रीत लाल कुर्रे को स्टेट मीडिया इंचार्ज (छत्तीसगढ़) की जिम्मेदारी सौंपी गई है। यह नियुक्ति न केवल प्रीत लाल कुर्रे के कार्यों की मान्यता है, बल्कि प्रदेश के स्वास्थ्य और मीडिया समन्वय को नई दिशा देने की पहल भी मानी जा रही है। ह्वाक्क जो कि पहले इंडियन पैरामेडिकल एसोसिएशन (ढ्ढक्क) के नाम से जानी जाती थी, देशभर के हेल्थ केयर प्रोफेशनल्स को एक मंच प्रदान करती है और उनके अधिकारों, प्रशिक्षण एवं विकास के लिए कार्य करती है।

जारी सदस्यता कार्ड में स्पष्ट उल्लेख है कि प्रीत लाल कुर्रे संस्था के अधिकृत सदस्य हैं और उन्हें संगठन के मीडिया संबंधी कार्यों की जिम्मेदारी दी गई है। उनके कार्यक्षेत्र में छत्तीसगढ़ राज्य के अंतर्गत संगठन की गतिविधियों का प्रचार-प्रसार, जनसंपर्क, जागरूकता अभियान और स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़ी सूचनाओं का प्रसारण शामिल रहेगा।

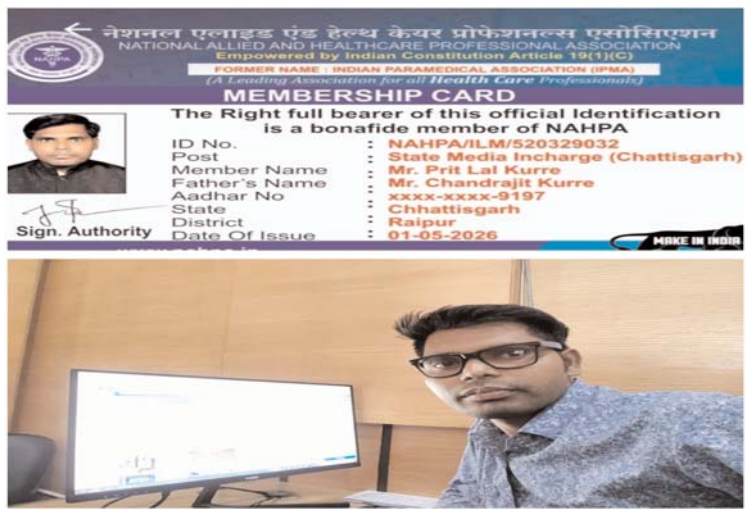

स्थानीय स्तर पर इस नियुक्ति को लेकर खुशी की लहर देखी जा रही है। सामाजिक एवं मीडिया क्षेत्र से जुड़े लोगों का कहना है कि प्रीत लाल कुर्रे लंबे समय से जनहित मुद्दों को उठाते रहे हैं और उनकी सक्रियता के चलते उन्हें यह जिम्मेदारी मिलना स्वाभाविक है। उनके माध्यम से राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं से संबंधित योजनाओं और कार्यक्रमों की जानकारी आम जनता तक बेहतर तरीके से पहुंचेगी।

ह्वाक्क का मुख्य उद्देश्य देश में हेल्थ केयर प्रोफेशनल्स को संगठित करना, उनके अधिकारों की रक्षा करना तथा बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं के लिए वातावरण तैयार करना है। संस्था का मुख्यालय लखनऊ में स्थित है और यह पूरे भारत में अपनी सक्रिय उपस्थिति दर्ज करा चुकी है।

इस अवसर पर प्रीत लाल कुर्रे ने कहा कि वे संगठन द्वारा दी गई जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ निभाएंगे। उनका प्रयास रहेगा कि छत्तीसगढ़ में स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े सभी वर्गों को एक मंच पर लाकर उनके हितों के लिए कार्य किया जाए और आम जनता को भी स्वास्थ्य संबंधी जानकारी समय पर उपलब्ध कराई जाए।

विशेषज्ञों का मानना है कि इस तरह की नियुक्तियां न केवल व्यक्तिगत उपलब्धि होती हैं, बल्कि पूरे राज्य के लिए गौरव का विषय भी बनती

आने वाले समय में इससे छत्तीसगढ़ में हेल्थ सेक्टर और मीडिया के बीच बेहतर समन्वय देखने को मिल सकता है।

संगठन सृजन के तहत बूथ कमेटी बैठक, 2028 चुनाव की तैयारी पर जोर

चांपा/मूक पत्रिका

जय कांग्रेस, विजय कांग्रेस के उद्घोष के साथ भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के संगठन सृजन अभियान के अंतर्गत आज चांपा (शहर) ब्लॉक कांग्रेस कमेटी द्वारा वार्ड क्रमांक 17 के बूथ नंबर 63 में बूथ कमेटी की बैठक आयोजित की गई।बैठक में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष सुनील साधवानी ने उपस्थित पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं को संगठन को मजबूत करने के लिए दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने बूथ स्तर पर निरंतर सक्रियता बनाए रखने और अभी से 2028 के चुनाव की तैयारी हेतु जमीनी स्तर पर कार्य करने का आह्वान किया।इस अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष किशन सोनी ने अपने अनुभव साझा करते हुए संगठनात्मक मजबूती पर जोर दिया। वहीं ब्लॉक उपाध्यक्ष हरीश श्रीवास एवं मंडल अध्यक्ष अनिल मोदी ने घर-घर संपर्क अभियान को तेज रखने और बूथ कार्यकर्ताओं से नियमित भेंट-मुलाकात की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। बैठक का संचालन सुनील साधवानी ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन मंडल अध्यक्ष राज सरोज ने किया। कार्यक्रम के माध्यम से बूथ स्तर पर संगठन को सशक्त करने और आगामी चुनावों के लिए कार्यकर्ताओं में उत्साह का संचार किया गया।बैठक में ब्लाक अध्यक्ष सुनील साधवानी, जिला उपाध्यक्ष किशन सोनी, मंडल अध्यक्ष अनिल मोदी, राज सरोज, ब्लाक उपाध्यक्ष हरीश श्रीवास, महामंत्री राजू शर्मा, रंजन कैवर्त, सचिव जीवन बंजारे, एकांश तिवारी, बूथ नम्बर 63 के अध्यक्ष राम मनोज शर्मा, दिनेश राठौर,सुमित राठौर, सुमित राठौर, शुभम बरेठ, के. रामाराव, विश्राम बंजारे, चितरंजन तिवारी, टेकराम वर्मा, बूधेश्वर केंवट, कमलेश केंवट, अमन रजक, संजू ठाकुर, विजय केंवट कालीचरण शाह, सुमित दास, सहित कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

बारसूर के जंगल में मिला नक्सलियों का बड़ा डंप, विस्फोटक और हथियार बरामद

CRPF और पुलिस की संयुक्त सर्चिंग में सफलता, सभी जवान सुरक्षित लौटे

दंतेवाड़ा/मूक पत्रिका

आशीष पदमवार। बारसूर थाना क्षेत्र के तोडमा गांव के घने जंगल में सुरक्षा बलों को सर्च ऑपरेशन के दौरान बड़ी कामयाबी मिली है। यहां नक्सलियों द्वारा छिपाकर रखा गया विस्फोटक और हथियारों का जखीरा बरामद किया गया है।जानकारी के मुताबिक 2 मई को मिली पुख्ता सूचना के बाद छ्रक्कस्न की 195वीं बटालियन और दंतेवाड़ा पुलिस की टीम ने इलाके में सर्चिंग शुरू की। जंगल के अंदर तलाशी के दौरान एक जगह छिपाकर रखा गया यह डंप मिला।बरामद सामग्री में 75 इलेक्ट्रिक डेटोनेटर, अलग-अलग हथियारों के जिंदा कारतूस, जिलेटिन, फ्यूज वायर, करीब 500 ग्राम विस्फोटक, वायरलेस सेट और डीएमआर जैसे संचार उपकरण, एक भरमार राइफल, बैटरियां, इलेक्ट्रिक वायर, कैमरा फ्लैश, यूरिया पाउडर और ग्रेनेड पिन शामिल हैं। इसके अलावा नक्सली साहित्य भी मिला है।ऑपरेशन के बाद सभी जवान सुरक्षित कैंप लौट आए। बरामद सामग्री को जब्त कर लिया गया है और आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि हाल के दिनों में नक्सलियों के आत्मसमर्पण के बाद उनके छिपाए डंप को ढूंढने पर खास जोर दिया जा रहा है। इस तरह की कार्रवाई से भविष्य में होने वाली घटनाओं पर रोक लगाने में मदद मिल रही है।

आत्मसमर्पण के बाद तेज हुआ डंप सर्च अभियान

हाल के समय में नक्सलियों के लगातार आत्मसमर्पण के बाद सुरक्षा बल अब उनके द्वारा छिपाए गए हथियार और विस्फोटक डंप को खोजने पर फोकस कर रहे हैं। इससे भविष्य में संभावित घटनाओं को रोकने में मदद मिल रही है।

पीडब्ल्यूडी कार्यालय के सामने पान ठेला बना बाधा, महिलाओं को हो रही परेशानी

चांपा/मूक पत्रिका

लोक निर्माण विभाग चांपा के संभागीय कार्यालय के सामने सड़क पर स्थायी रूप से पान ठेला लगाए जाने से क्षेत्र में आवागमन बाधित हो रहा है। इस संबंध में शिवनगर वार्ड क्रमांक 23 की महिलाओं ने प्रशासन से शिकायत की है।शिकायत में बताया गया है कि लोक निर्माण विभाग के सामने सड़क पर एक पान ठेला स्थायी रूप से स्थापित कर दिया गया है, जिसका दायरा लगातार बढ़ता जा रहा है। इससे फ्ल गोदाम एवं शिवनगर जाने वाली मुख्य गली का प्रवेश द्वार संकरा हो गया है। इस कारण क्षेत्रवासियों और फ्ल गोदाम आने-जाने वाले लोगों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है।महिलाओं का कहना है कि उक्त पान ठेले के आसपास असामाजिक तत्वों द्वारा बैठकर शराब पीने और गाली-गलौज की घटनाएं सामने आती रहती हैं। इससे खासकर महिलाओं को उस रास्ते से गुजरते समय शर्मिंदगी और असुरक्षा महसूस होती है।क्षेत्र की महिलाओं ने प्रशासन से मांग की है कि लोक निर्माण विभाग कार्यालय के सामने बने पान ठेले को तत्काल अन्यत्र स्थानांतरित कराया जाए, ताकि आवागमन सुचारु हो सके और महिलाओं को सुरक्षित वातावरण मिल सके।महिलाओं ने इस संबंध में अनुविभागीय अधिकारी, लोक निर्माण विभाग, राजस्व विभाग एवं नगर पालिका परिषद को ज्ञापन सौंपकर आवश्यक कार्रवाई की मांग की है।

प्रदेशभर की ग्राम पंचायतों में 7 मई को 'चावल महोत्सव' के साथ रोजगार एवं आवास दिवस का आयोजन

बेमेतरा/मूक पत्रिका

बेमेतरा 03 मई 2026:- प्रदेश की समस्त ग्राम पंचायतों में 07 मई 2026 को ÷चावल महोत्सव÷ के साथ ÷रोजगार दिवस÷ एवं ÷आवास दिवस÷ का व्यापक आयोजन किया जाएगा। यह आयोजन ÷सुशासन तिहार÷ के अंतर्गत किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में शासन की प्रमुख योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करना है। इस अवसर पर ग्राम पंचायत, विकासखंड एवं जिला स्तर पर दोनों योजनाओं से संबंधित सभी लंबित विषयों एवं समस्याओं का शत-प्रतिशत निराकरण करने के निर्देश दिए गए हैं।

आवास योजनाओं में 90 दिवस में पूर्णता का लक्ष्य, हितग्राहियों को दी जाएगी पूरी जानकारी-आवास योजनाओं, विशेषकर प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण (क्करूड्ड-त्र) के अंतर्गत स्वीकृत सभी आवासों को अधिकतम 90 दिनों में पूर्ण कराने के लिए ग्राम पंचायतों में विस्तृत कार्ययोजना पर चर्चा की जाएगी। साथ ही हितग्राहियों को अब तक प्राप्त राशि की जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी तथा उनकी समस्याओं का समाधान मौके पर किया जाएगा। स्व-सहायता समूहों की महिलाओं को निर्माण सामग्री आपूर्ति एवं आजीविका गतिविधियों में भागीदारी हेतु प्रोत्साहित किया जाएगा। इसके अलावा रेन वाटर हार्वेस्टिंग को बढ़ावा देने, लंबित जियो-टैगिंग कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने तथा प्राप्त शिकायतों के तत्काल निराकरण पर विशेष जोर दिया जाएगा।

मनरेगा कार्यों में तेजी, नए कार्यों की भी होगी शुरुआत-मनरेगा के अंतर्गत चल रहे सभी प्रगतिरत कार्यों को माह मई के भीतर पूर्ण कराने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही स्थानीय मांग के अनुसार नए कार्यों की शुरुआत करने पर भी चर्चा की जाएगी, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में अधिक से अधिक रोजगार के अवसर सृजित हो सकें।

जल जीवन मिशन में बड़ा भ्रष्टाचार उजागर, कलेक्टर से उच्च स्तरीय जांच की मांग

जांजगीर-चांपा/मूक पत्रिका

जनपद पंचायत बलौदा के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत लछनपुर में केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना जल जीवन मिशन के क्रियान्वयन में भारी अनियमितताओं और भ्रष्टाचार का मामला सामने आया है। स्थानीय निवासी शुभम सिंह राजपूत ने इस संबंध में जिला कलेक्टर को लिखित शिकायत देकर उच्च स्तरीय जांच की मांग की है।शिकायत के अनुसार, योजना के तहत गांव में पाइपलाइन बिछाने का कार्य कई मोहल्लों में अधूरा छोड़ दिया गया है।

वहीं, सरकारी रिकॉर्ड में घर-घर जल कनेक्शन पूर्ण दर्शाए गए हैं, जबकि जमीनी हकीकत इससे बिल्कुल अलग है। कई घरों तक न तो नल कनेक्शन पहुंचा है और न ही नियमित जल आपूर्ति शुरू हो सकी है।सबसे गंभीर आरोप वित्तीय अनियमितता को लेकर है। शिकायत में कहा गया है कि संबंधित अधिकारियों और ठेकेदार की मिलीभगत से बिना भौतिक सत्यापन के ही कार्य पूर्ण दिखाकर भुगतान निकाल लिया गया। इसे शासकीय राशि के दुरुपयोग का स्पष्ट मामला बताया जा रहा है।आवेदक ने कलेक्टर से मांग की है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच के लिए स्वतंत्र टीम गठित की जाए तथा दोषी अधिकारियों और ठेकेदार के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर सख्त कार्रवाई की जाए। साथ ही अधूरे कार्यों को समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा कराने और गलत भुगतान की वसूली करने की भी मांग की गई है। ग्रामीणों में इस मामले को लेकर आक्रोश व्याप्त है और वे जल्द से जल्द कार्रवाई की उम्मीद कर रहे हैं। अब देखना होगा कि प्रशासन इस गंभीर शिकायत पर क्या कदम उठाता है।

परिवहन विभाग के अधिकारियों का तबादला, गौरव साहू रायगढ़ के नए DTO

रायगढ़/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ शासन के परिवहन विभाग ने प्रदेश के 20 परिवहन अधिकारियों का तबादला आदेश जारी किया है,जिनमें जिला परिवहन अधिकारियों से लेकर क्षेत्रीय परिवहन अधिकारियों के नाम शामिल हैं।विवेक सिन्हा जिला परिवहन अधिकारी कोरबा/पेंड्रा से जांजगीर-चांपा भेजे गए हैं।प्रकाश रावटे ड्क एआरटीओ बालोद से जिला परिवहन अधिकारी, कांकेरयोगेश भण्डारी, एआरटीओ सूरजपुर से बालोदकिशनलाल माहौर ड्क एआरटीओ बीजापुर से बेमेतरा

शिवभगत रावटेड्क एआरटीओ सुकमा से धमतरीअतुल असैया ड्क जिला परिवहन अधिकारी कोण्डागांव से कोरबागौरव साहू जांजगीर -चांपा से जिला परिवहन अधिकारी रायगढ़ भेजा गया है।अब्दुल मुजाहिद जिला परिवहन अधिकारी (धमतरी) से परिवहन मुख्यालय,नवा रायपुर ट्रांसफर किए गए हैं।अनिल भगत कोरिया से राजनांदगांव (अतिरिक्त क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी) भेजे गए हैं।आदेश में कहा गया है कि स्थानांतरण नीति 2025 की कंडिका 1.12 के तहत सभी अधिकारियों को 10 दिनों के भीतर अपने नवीन पदस्थापना स्थल पर कार्यभार ग्रहण करना होगा। निर्धारित समय सीमा में पदभार ग्रहण न करने की स्थिति में संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई है।

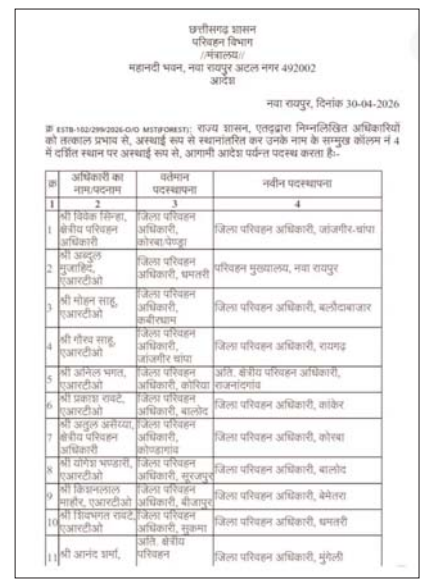

छत्तीसगढ़ शासन
परिवहन विभाग
//मंत्रालय//
महानदी भवन, नवा रायपुर अटल नगर 492002
आदेश

नवा रायपुर, दिनांक 30-04-2026

क्र [illegible]: राज्य शासन, एतद्द्वारा निम्नलिखित अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से, अस्थाई रूप से स्थानांतरित कर उनके नाम के सम्मुख कॉलम नं 4 में दर्शित स्थान पर अस्थाई रूप से, आगामी आदेश पर्यन्त पदस्थ करता है:-

क्र	अधिकारी का नाम/पदनाम	वर्तमान पदस्थापना	नवीन पदस्थापना
1	2	3	4
1	श्री विवेक सिन्हा, क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी	जिला परिवहन अधिकारी, कोरबा/पेण्ड्रा	जिला परिवहन अधिकारी, जांजगीर-चांपा
2	श्री अब्दुल मुजाहिद, एआरटीओ	जिला परिवहन अधिकारी, धमतरी	परिवहन मुख्यालय, नवा रायपुर
3	श्री मोहन साहू, एआरटीओ	जिला परिवहन अधिकारी, कबीरधाम	जिला परिवहन अधिकारी, बलौदाबाजार
4	श्री गौरव साहू, एआरटीओ	जिला परिवहन अधिकारी, जांजगीर चांपा	जिला परिवहन अधिकारी, रायगढ़
5	श्री अनिल भगत, एआरटीओ	जिला परिवहन अधिकारी, कोरिया	अति. क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी, राजनांदगांव
6	श्री प्रकाश रावटे, एआरटीओ	जिला परिवहन अधिकारी, बालोद	जिला परिवहन अधिकारी, कांकेर
7	श्री अतुल असैय्या, क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी	जिला परिवहन अधिकारी, कोण्डागांव	जिला परिवहन अधिकारी, कोरबा
8	श्री योगेश भण्डारी, एआरटीओ	जिला परिवहन अधिकारी, सूरजपुर	जिला परिवहन अधिकारी, बालोद
9	श्री किशनलाल माहौर, एआरटीओ	जिला परिवहन अधिकारी, बीजापुर	जिला परिवहन अधिकारी, बेमेतरा
10	श्री शिवभगत रावटे, एआरटीओ	जिला परिवहन अधिकारी, सुकमा	जिला परिवहन अधिकारी, धमतरी
11	श्री आनंद शर्मा,	अति. क्षेत्रीय परिवहन	जिला परिवहन अधिकारी, मुंगेली

एनटीपीसी लारा में 575 ट्रेलर कोयला खा गए अधिकारी

सीबीआई कर रही जांच, कंपनी के अधिकारियों पर दर्ज है एफआईआर

रायगढ़/मूक पत्रिका

फ्लाईऐश की अवैध डंपिंग के कारण विवादों में रहने वाली एनटीपीसी लारा के अफसरों पर 575 ट्रेलर कोयले के गबन का आरोप है। कंपनी की विजिलेंस टीम की जांच के बाद केस सीबीआई को दिया गया तो इसमें एनटीपीसी के 5 अफसरों पर एफआईआर दर्ज की गई है। वहीं सीआईएसएफ की भूमिका की भी जांच हो रही है।एनटीपीसी लारा में 575 ट्रेलर कोयला लेकर पहुंचने से पहले ही गायब हो गए। सीबीआई ने पांच एनटीपीसी अधिकारियों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज की थी, जिसकी जांच चल रही है। जब तलाईपाली माइंस से कोयले का उत्पादन कम हो रहा था, तब एनटीपीसी के लारा प्लांट को दूसरे खदानों से कोयले की आपूर्ति की जाती थी। तब रेल मोड से ज्यादा रोड से परिवहन होता था। इस दौरान एनटीपीसी लारा प्रबंधन को संदेह हुआ कि कोयले के स्टॉक में हेराफेरी की जा रही है। जितने ट्रक ट्रेलर एनटीपीसी लारा प्लांट के लिए निकलते हैं, उतने वहां पहुंचते नहीं। रिकॉर्ड में भिन्नता पाई गई। 28 अप्रैल 2023 से 22 मई 2024 के बीच की अवधि में जांच की गई तो दस्तावेजी प्रमाणों ने सब कुछ उगल दिया। वित्तीय प्रबंधन विभाग ने जांच की तो पाया कि 575 ट्रेलर कोयला लेकर लारा प्लांट पहुंचे ही नहीं।अलग-अलग कोयला खदानों से आने वाले कोयला ट्रेलरों की एंट्री हुई ही नहीं। इसके लिए एनटीपीसी ने एडवांस पेमेंट कर दिया था।

सीआईएसएफव एनटीपीसी अफसरों की सेटिंग

सीआईएसएफ के भरोसे एनटीपीसी लारा की सुरक्षा है। प्लांट एंट्री गेट में रजिस्टर में सीआईएसएफ के जवान ही गाड़ियों की एंट्री करते हैं। एनटीपीसी प्रबंधन ने वित्त विभाग के रिकॉर्ड और गेट के दस्तावेज मिलान किए तो खुलासा हुआ। 28 अप्रैल 2023 से 22 मई 2024 के बीच 575 ट्रेलरों का कोई हिसाब नहीं मिला। सिर्फ अक्टूबर 2023 में ही 154 ट्रेलर कोयला गायब मिले।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आशिष कुमार कंठले द्वारा कलयुग का भारत द्वारा अग्रदूत कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, भाजपा कार्यालय के पास, रायपुर, जिला-रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित एवं वार्ड नंबर 18 बाजार पारा बेमेतरा पोस्ट व जिला बेमेतरा छ.ग. पिन कोड 491335 से प्रकाशित। संपादक आशिष कुमार कंठले समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार मो. नं. 7999238079, 7828658259, समस्त विवादों का निपटारा बेमेतरा न्यायालय होगा।